website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक

रॉयल पत्रिका

वर्ष : 13 | अंक : 289 | पेज: 8 | जयपुर, शुक्रवार 26 सितम्बर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

पीएम मोदी 26 सितंबर को लॉन्च करेंगे 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना'

- बिहार की 75 लाख महिलाओं को मिलेगा सीधा लाभ

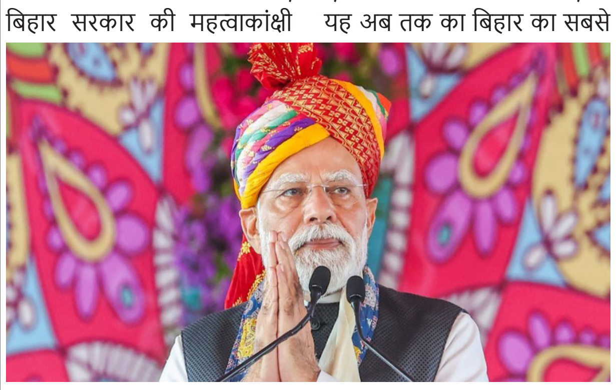

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 26 सितंबर को सुबह 11 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बिहार सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना का शुभारंभ करेंगे। इस योजना का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। योजना के पहले चरण में प्रधानमंत्री मोदी सीधे बिहार की 75 लाख महिलाओं के बैंक खातों में 10,000-10,000 रुपए की राशि ट्रांसफर करेंगे। इस तरह कुल 7,500 करोड़ रुपए की धनराशि एक साथ वितरित की जाएगी। यह अब तक का बिहार का सबसे बड़ा महिला-केंद्रित कार्यक्रम माना जा रहा है। इस योजना के तहत महिलाओं को स्वरोजगार शुरू करने और अपनी पसंद के आजीविका कार्यों के लिए पूंजी उपलब्ध कराई जाएगी। प्रत्येक लाभार्थी को प्रारंभिक अनुदान 10,000 रुपए डीबीटी (Direct Benefit Transfer) के माध्यम से दिया जाएगा। आगे चलकर योजना में अधिकतम 2 लाख रुपए तक की अतिरिक्त सहायता का प्रावधान भी रखा गया है। महिलाएं इस राशि का उपयोग कृषि, पशुपालन, हस्तशिल्प, सिलाई, बुनाई और छोटे उद्योग जैसे क्षेत्रों में कर सकेंगी। साथ ही, स्वयं सहायता समूहों (SHGs) की सामुदायिक संसाधन कर्मी महिलाओं को प्रशिक्षण और मार्गदर्शन देंगी। इसके अलावा ग्रामीण हाट-बाजारों को मजबूत किया जाएगा ताकि महिलाओं के उत्पादों को बेहतर बाजार मिल सके। कार्यक्रम के लॉन्च के दौरान राज्यभर में जिला, प्रखंड, क्लस्टर और गांव स्तर पर भी आयोजन होंगे। अनुमान है कि इस ऐतिहासिक कार्यक्रम को बिहार की 1 करोड़ से अधिक महिलाएं एक साथ देखेंगी।

स्वच्छता को अपनी आदत में शामिल करें:

दिल्ली को स्वच्छ और सुंदर बनाएं- रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जीएसटी (गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स) सुधारों की सराहना करते हुए कहा कि ये बदलाव राजधानी के हर परिवार को लाभ पहुंचा रहे हैं। उन्होंने एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जीएसटी रिफॉर्म को लेकर उपभोक्ता, व्यापारी और आम जनता बेहद उत्साहित है। दुकानों पर भीड़ कम होने का नाम नहीं ले रही और हर कोई नई चीजें खरीदने को बेताब है।

दिल्ली को 27 वर्षों तक उपेक्षित रखा गया

उन्होंने कहा कि उनका एकमात्र लक्ष्य दिल्ली को सुंदर और खुशहाल शहर बनाना है, जहां हर नागरिक को उसका हक मिले। उन्होंने कहा कि दिल्ली को 27 वर्षों तक उपेक्षित रखा गया। यहां जो भी सरकार आई, उसने दिल्ली और यहां के लोगों की परवाह नहीं की। जनता ने अब ऐसी सरकार चुनी है, जो सिर्फ विकास पर विश्वास करती है और विकास करना भी जानती है। सीएम ने कहा

कि पिछली सरकारों में सड़कें, फ्लाईओवर, स्कूल, अस्पताल, सामुदायिक भवन, पार्किंग, नालियां, सब बिखरी हुई और जर्जर थीं। जब ये ठीक हो जाएंगी तभी दिल्लीवासियों की मुश्किलें कम होंगी। वरना, एक गड्ढा रोज परेशान करता है, टूटे फुटपाथ और उभरे हुए पत्थर दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं, बाजारों में पैदल यात्री सुरक्षित नहीं चल पाते, और कई इलाकों में पार्किंग माफिया हावी हैं। हम सभी समस्याओं को सुधारने का काम कर रहे हैं और लोगों के सहयोग से इसे जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा।

चांदनी चौक हमारी धरोहर

उन्होंने कहा कि चांदनी चौक हमारी धरोहर है। त्योहारों के समय धार्मिक स्थलों की रौनक ज्यादा बढ़ जाती है। ऐसे समय सफाई और बेहतर रखरखाव और भी आवश्यक हो जाता है। जिस तरह हम अपने घर को स्वच्छ रखते हैं, उसी अपनत्व और जिम्मेदारी से हमें अपने बाजारों और सड़कों को भी स्वच्छ रखना होगा। स्वच्छता को अपनी आदत बनाएं और मिलकर दिल्ली को स्वच्छ और सुंदर बनाएं।

दिल्ली ने मिलकर सेवा और संस्कार की सुंदर मिसाल पेश की

सीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि दिल्ली ने मिलकर सेवा और संस्कार की सुंदर मिसाल पेश की। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर 'एक दिन, एक घंटा, एक साथ' श्रमदान कार्यक्रम के अंतर्गत दिगंबर जैन लाल मंदिर से गुरुद्वारा शीशगंज साहिब तक सफाई अभियान में हिस्सा लिया। यह श्रमदान केवल सफाई का अभियान नहीं था।

पीएम मोदी ने 'स्वच्छ भारत अभियान' से सेवा का दीप जलाया

उन्होंने कहा कि यह गांधीजी के स्वच्छता संदेश को आगे बढ़ाने और दीनदयाल जी के अंतिम जन तक सम्मान और सुविधा पहुंचाने के विचार को जीवन में उतारने का संकल्प था। देश तब बदलता है, जब हर हाथ जिम्मेदारी उठाता है। पीएम मोदी ने 'स्वच्छ भारत अभियान' से सेवा का जो दीप जलाया, आज उसी प्रेरणा से दिल्ली का यह प्रयास एक जनआंदोलन बन गया है। आइए, हम सब मिलकर जन-जन को जागरूक करें और दिल्ली को न सिर्फ साफ-सुथरी बल्कि पूरे देश के लिए आदर्श और प्रेरणादायी राजधानी बनाएं।

तमिलनाडु के कोयंबटूर और नीलगिरी में भारी बारिश का अलर्ट

- अगले 3 दिन सतर्क रहने की सलाह

तमिलनाडु (एजेंसी)। भारत मौसम विभाग (IMD) ने तमिलनाडु के पहाड़ी जिलों कोयंबटूर और नीलगिरी के लिए अगले तीन दिनों के लिए भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। आईएमडी ने भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों और नदियों के किनारों पर रहने वाले लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी है। आईएमडी के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में मौसम प्रणाली के कारण बारिश हो रही है। इस समय म्यांमार के तट के पास चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र बना हुआ है और गुरुवार को बंगाल की खाड़ी के मध्य हिस्से में एक नया कम दबाव वाला क्षेत्र बनने की संभावना है। इसके चलते तमिलनाडु और पुदुच्चेरी के कुछ हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। पिछले 24 घंटों में सलेम जिले के येरकॉड में सबसे अधिक 5 सेमी बारिश दर्ज की गई। कन्याकुमारी जिले के पलामोर और किलकोट्टायर, कोयंबटूर जिले के चिन्नाकल्लार और वाल्पराई, तथा तिरुनेलवेली जिले के नालुमुक्कू और ओट् में भी 2 सेमी बारिश रिकॉर्ड की गई है। अधिकारियों ने कहा कि कोयंबटूर और नीलगिरी में सबसे भारी वर्षा होने की संभावना है, जहां अलग-थलग स्थानों पर बादल फटने की भी आशंका है। IMD के पूर्वानुमान में गुरुवार और शुक्रवार को तमिलनाडु, पुदुच्चेरी और कराईकल के कई स्थानों पर आकाशीय बिजली और गरज के साथ बारिश की चेतावनी भी जारी की गई है। चेन्नई और उसके आसपास के उपनगरों में आकाश आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और कुछ क्षेत्रों में हल्की बारिश की संभावना है।

राज्य की राजधानी में मौसम के ज्यादा खराब होने की संभावना नहीं है, लेकिन आने-जाने वालों को सलाह दी गई है कि वे व्यस्त समय के दौरान हल्की बारिश के लिए तैयार रहें। वेस्टर्न घाट (पश्चिमी घाट) क्षेत्र के जिलों के प्रशासन को संवेदनशील ढाल और जल स्रोतों पर नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों ने लोगों से पहाड़ी इलाकों में अनावश्यक यात्रा से बचने और स्थानीय आपदा प्रबंधन टीमों के अलर्ट का पालन करने की अपील की है। आईएमडी ने कहा कि विकसित हो रहा निम्न दबाव क्षेत्र अगले 48 घंटों में और तेज हो सकता है, जो दक्षिणी तमिलनाडु और केरल के कुछ हिस्सों में बारिश के पैटर्न को प्रभावित करेगा। मछुआरों को दक्षिण-पश्चिम और मध्य बंगाल की खाड़ी में तेज हवाओं और खराब समुद्री स्थिति के कारण न जाने की सलाह दी गई है। अधिकारियों ने कहा कि स्थिति पर नजर रखी जा रही है और समय पर अपडेट के लिए मौसम बुलेटिन जारी किए जाएंगे।

'यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो' का शुभारंभ

सीएम योगी ने कहा, 'उत्तर प्रदेश बना देश का ग्रोथ इंजन'

यूपी (एजेंसी)। ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो मार्ट में आयोजित 'यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो' के शुभारंभ के अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत करते हुए उन्हें 'नेक्स्ट जेनरेशन जीएसटी रिफॉर्म' लागू करने और प्रदेश सहित देश के व्यापारियों, उद्यमियों एवं मध्यम वर्ग को दीपावली पूर्व उपहार देने के लिए धन्यवाद दिया। 2017 में लागू 'वन नेशन, वन टैक्स' की परिकल्पना ने भारतीय अर्थव्यवस्था को दी मजबूती मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जुलाई 2017 में लागू 'वन नेशन, वन टैक्स' की परिकल्पना ने भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूती दी है। उन्होंने कहा कि मार्केट में नई जीवंतता आई है, उपभोक्ताओं का विश्वास बढ़ा है और परंपरागत उद्योगों को नया जीवनदान मिला है।

पीएम मोदी की 'अंत्योदय से राष्ट्रोदय' की प्रेरणा को यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो दे रहा मूर्त रूप

उन्होंने बताया कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर प्रधानमंत्री मोदी की 'अंत्योदय से राष्ट्रोदय' की प्रेरणा को यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो मूर्त रूप दे रहा है। 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' से 'मेक फॉर द वर्ल्ड' के दृष्टिकोण को साकार करते हुए यह आयोजन प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वैश्विक पहचान दिला रहा है।

ट्रेड शो में 80 देशों के 550 से अधिक खरीदार और 2,225 एग्जीबिटर्स ले रहे हैं हिस्सा

मुख्यमंत्री ने कहा कि ट्रेड शो में 80 देशों के 550 से अधिक खरीदार और 2,225 एग्जीबिटर्स हिस्सा ले रहे हैं। यूपी अपने 77 जीआई टैग उत्पादों और 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट' जैसी योजनाओं के जरिए देश का पहला राज्य है, जिसने

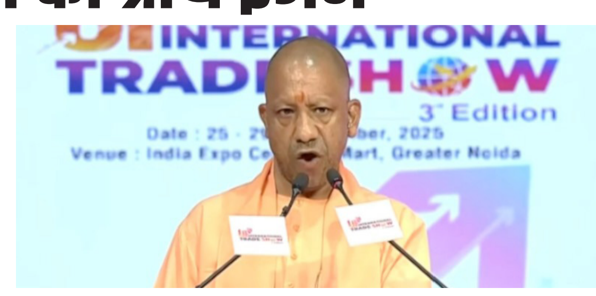

स्थानीय उद्यमों को अंतरराष्ट्रीय मंच दिया है।

फरवरी 2023 में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 40 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए थे

उन्होंने बताया कि फरवरी 2023 में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 40 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए थे, जिनमें से 12 लाख करोड़ धरातल पर उतर चुके हैं। नवंबर तक 5 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्तावों पर कार्य प्रारंभ होने जा रहा है।

आज यूपी बीमारू राज्य की छवि से निकलकर पीएम मोदी के मार्गदर्शन में देश का ग्रोथ इंजन बन चुका है

सीएम योगी ने कहा कि आज यूपी बीमारू राज्य की छवि से निकलकर प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में देश का ग्रोथ इंजन बन चुका है। कानून-व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त है, आईटी सेक्टर को इंडस्ट्री का दर्जा दिया गया है और सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग सहित कई क्षेत्रों में उत्तर प्रदेश निवेश का आकर्षक गंतव्य बन रहा है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर प्रदेश के हर जनपद में 100 एकड़ क्षेत्रफल में इंडस्ट्रियल जोन विकसित किए जाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन से उत्तर प्रदेश 'विकसित भारत' के विजन में सबसे बड़ा योगदान देने वाला राज्य बनेगा और यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो इसी दिशा में एक मजबूत कदम है।

भारतीय वायुसेना को मिलेगी 97 लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) के साथ 97 लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (LCA) Mk1A खरीदने के लिए 62,370 करोड़ रुपए का बड़ा करार किया। इसमें

68 सिंगल-सीटर फाइटर जेट और 29 ट्विन-सीटर एयरक्राफ्ट शामिल हैं। इन विमानों की डिलीवरी वर्ष 2027-28 से शुरू होगी और यह प्रक्रिया छह साल में पूरी होगी। मंत्रालय के मुताबिक, इन विमानों में 64% से अधिक स्वदेशी सामग्री का इस्तेमाल किया जाएगा। जनवरी 2021 में हुए पिछले LCA Mk1A करार की तुलना में इस बार 67 अतिरिक्त उपकरण जोड़े गए हैं। इनमें आधुनिक UTTAM Active Electronically Scanned Array (AESA) रडार, स्वयम रक्षा कवच और कंट्रोल सरफेस एक्ट्यूएटर्स जैसी उन्नत स्वदेशी प्रणालियां शामिल हैं। इस परियोजना से भारत की घरेलू एयरोस्पेस इंडस्ट्री को बड़ा फायदा होगा। लगभग 105 भारतीय कंपनियां इसके लिए पुर्जे तैयार करेंगी। अनुमान है कि उत्पादन प्रक्रिया के दौरान हर साल करीब 11,750 प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार उत्पन्न होंगे। यह सौदा डिफेंस एक्विजिशन प्रोसीजर 2020 के 'Buy (India-IDDM)' कैटेगरी के तहत किया गया है। अधिकारियों का कहना है कि यह कदम सरकार के आत्मनिर्भर भारत अभियान को मजबूत करेगा और रक्षा उत्पादन में स्वदेशीकरण को बढ़ावा देगा। LCA Mk1A भारतीय वैज्ञानिकों और इंजीनियरों द्वारा विकसित सबसे उन्नत लड़ाकू विमान है। इसके आने से भारतीय वायुसेना की ताकत और अधिक बढ़ेगी और देश की सुरक्षा क्षमताओं में गुणात्मक सुधार होगा।

भारत में साइबर अपराध और वित्तीय धोखाधड़ी पर सख्ती

-अब रियल-टाइम डेटा से होगी ठगी की तुरंत पहचान

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में बढ़ते साइबर अपराध और वित्तीय धोखाधड़ी पर लगाम लगाने के लिए सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। दूरसंचार विभाग (DoT) और वित्तीय खुफिया इकाई-भारत (FIU-IND) ने एक समझौता किया है जिसके तहत अब संदिग्ध वित्तीय लेन-देन से जुड़ी जानकारियां रियल-टाइम में साझा की जाएंगी। इस व्यवस्था से साइबर ठगी और ऑनलाइन वित्तीय अपराधों की पहचान तुरंत हो सकेगी और समय रहते कार्रवाई संभव होगी। इस साझेदारी के तहत बैंकों और वित्तीय संस्थानों से आने वाले संदिग्ध लेन-देन का डेटा DoT के पास जाएगा और इसे टेलीकॉम कंपनियों से मिलान कर धोखाधड़ी करने वालों की पहचान की जाएगी। इससे मोबाइल नंबर और बैंक खातों का इस्तेमाल कर किए जाने वाले अपराधों पर सीधा प्रहार होगा। सरकार का मानना है कि इस कदम से देशभर में डिजिटल लेन-देन

को और सुरक्षित बनाया जा सकेगा और आम जनता का भरोसा मजबूत होगा। विशेषज्ञों का कहना है कि साइबर अपराधी अक्सर फर्जी सिम कार्ड और बैंक खातों का इस्तेमाल कर लोगों को ठगते हैं, ऐसे में दोनों विभागों के बीच रियल-टाइम डेटा साझाकरण से उनकी योजनाओं को तुरंत विफल किया जा सकेगा।

हरिद्वार नकल प्रकरण में दो निलंबित :

सीएम धामी बोले, एक-एक नकल माफिया को सजा देंगे

उत्तराखंड (एजेंसी)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हरिद्वार नकल प्रकरण के बाद कड़े शब्दों में कहा है कि सरकार राज्य में एक-एक नकल माफिया को चुन-चुन कर गिरफ्तार करेगी और सजा दिलाएगी।

पिछले 4 साल में पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से भर्तियां की गईं

सीएम धामी ने एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले 4 साल में पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से भर्तियां की गईं। परिणामस्वरूप अब तक 25 हजार नियुक्तियां पूरी हो चुकी हैं और एक भी ऐसा मामला सामने

नहीं आया है, जिसमें धोखाधड़ी या पारदर्शिता की कमी हो। जो एक मामला सामने आया है, उसमें सभी आरोपियों के खिलाफ पहले स्तर पर सख्त कार्रवाई की गई है और उन्हें पकड़ लिया गया है।

ये पेपर लीक नहीं है, नकल का प्रकरण

उन्होंने कहा कि ये पेपर लीक नहीं है, नकल का प्रकरण है, जिनके खिलाफ सख्ती से कार्रवाई की जाएगी। इसकी गड़बड़ी की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया है। सीएम धामी ने कहा, "हमारी सरकार राज्य में एक-एक नकल माफिया को चुन-चुन कर गिरफ्तार करेगी और सजा दिलाएगी।"

हमारी नियत पूरी तरह से साफ

मुख्यमंत्री धामी ने कहा, "जो लोग कहते हैं कि सीबीआई नहीं होनी चाहिए, वे आज कह रहे हैं कि सीबीआई होनी चाहिए। अगर सीबीआई की संस्तुति की तो सारी भर्ती प्रक्रिया लटक जाएगी। हमारी नियत पूरी तरह से साफ है, युवाओं की योग्यता, प्रतिभा और क्षमता के साथ पूरा न्याय होगा।" इसी बीच, नकल प्रकरण की जांच में दोषी पाए गए सेक्टर मजिस्ट्रेट और एक महिला असिस्टेंट प्रोफेसर को निलंबित किया गया है। उत्तराखंड के सूचना और जनसंपर्क विभाग ने जानकारी दी कि परीक्षा के दौरान बरती लापरवाही के चलते सेक्टर मजिस्ट्रेट केएन तिवारी के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई की गई है।

एक अभ्यर्थी ने 12 प्रश्नों की फोटो खींचकर परीक्षा केंद्र से बाहर भेजी

विभाग के अनुसार, हरिद्वार के एक एग्जाम सेंटर से अभ्यर्थी ने 12 प्रश्नों की फोटो खींचकर परीक्षा केंद्र से बाहर भेजी थी। जांच में पता चला कि इस मामले में अधिकारियों और कर्मचारियों ने पर्यवेक्षण का काम भली-भांति नहीं किया। इस एग्जाम सेंटर के लिए केएन तिवारी सेक्टर मजिस्ट्रेट के रूप में तैनात थे। उन्हें लापरवाही बरतने और अपने दायित्व के प्रति संवेदनशील नहीं होने का दोषी पाया गया।

नई टिहरी के अगरोड़ा कॉलेज की असिस्टेंट प्रोफेसर को निलंबित किया गया

सेक्टर मजिस्ट्रेट के अलावा, नई टिहरी के अगरोड़ा कॉलेज की असिस्टेंट प्रोफेसर (इतिहास) सुमन को निलंबित किया गया है। आयोग के संज्ञान में आया कि सुमन इस परीक्षा में गलत नीयत से सॉल्वर के रूप में शामिल थीं। जांच में पता चला कि असिस्टेंट प्रोफेसर सुमन प्रश्न बाहर भेजने वाले के संपर्क में थी। आरोपी ने सुमन को प्रश्नपत्र हल करने के लिए भेजा था, जिसे प्रोफेसर ने आगे एक अन्य व्यक्ति को भेज दिया।

केजरीवाल को जल्द मिल सकता है सरकारी बंगला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (AAP) के संयोजक अरविंद केजरीवाल को जल्द सरकारी बंगला मिल सकता है। गुरुवार को केजरीवाल के लिए दिल्ली में सरकारी बंगला आवंटन के मामले में दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को आश्वासन दिया कि नियमों के अनुसार अगले 10 दिनों के भीतर केजरीवाल को सरकारी बंगला आवंटित कर दिया जाएगा। आम आदमी पार्टी की ओर से वकील ने कोर्ट से मांग की कि केजरीवाल को टाइप-8 या टाइप-7 श्रेणी का बंगला आवंटित करने का आदेश दिया जाए। इस पर सॉलिसिटर जनरल ने टिप्पणी की कि "आम आदमी टाइप-8 बंगले के लिए नहीं लड़ा करते।"

हाईकोर्ट ने सॉलिसिटर जनरल के आश्वासन को रिकॉर्ड पर लेते हुए आदेश सुरक्षित रख लिया और कहा कि वह इस मुद्दे पर जल्द फैसला सुनाएगा सॉलिसिटर जनरल ने फिर से

भरोसा दिलाया कि नियम के मुताबिक केजरीवाल को बंगला अलॉट किया जाएगा। हाईकोर्ट ने कहा कि मंत्रालय की कार्यप्रणाली पर ध्यान देना जरूरी है, जो न सिर्फ राजनेताओं, बल्कि गैर-राजनेताओं के लिए भी है। कोर्ट ने इस मामले को एक ऐसे मुद्दे के रूप में देखा, जिसका समाधान जरूरी है। पिछली सुनवाई में दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया था कि बंगला आवंटन की प्रक्रिया पारदर्शी होनी चाहिए और इसके लिए एक स्पष्ट व्यवस्था लागू की जानी चाहिए। कोर्ट ने यह भी आदेश दिया था कि आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय के संयुक्त सचिव और संपदा निदेशालय के निदेशक अगली सुनवाई में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मौजूद रहें। गौरतलब है कि आम आदमी पार्टी राष्ट्रीय राजधानी में अरविंद केजरीवाल के लिए एक सरकारी आवास की मांग करती रही है, क्योंकि वह एक मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय पार्टी के अध्यक्ष हैं। अपनी याचिका में इसने आवास आवंटन के दिशानिर्देशों का भी हवाला दिया, जिसमें कहा गया कि किसी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय पार्टी के अध्यक्ष दिल्ली में सरकारी आवास के हकदार हैं, अगर उनके पास न तो अपना घर है और न ही उन्हें किसी अन्य आधिकारिक क्षमता आवंटित किया गया है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

पाकिस्तान की नापाक हरकत पर भारत को कड़ा रुख अपनाना होगा

भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मैच कभी भी सिर्फ खेल भर नहीं रहे। जब भी दोनों टीमें आमने-सामने होती हैं, पूरा माहौल एक अलग तरह का तनाव और उत्साह लेकर आता है। यह सिर्फ खेल का मैदान नहीं होता बल्कि दोनों मुल्कों की राष्ट्रीय भावनाओं का संगम होता है। यहां तक तो बात समझ में आती है कि क्रिकेट एक जुनून है और जब पाकिस्तान सामने हो तो यह जुनून और गहरा हो जाता है। लेकिन इस बार एशिया कप के मुकाबले में पाकिस्तान के कुछ खिलाड़ियों ने जो हरकत की है, उसने खेल की मर्यादा को तार-तार कर दिया है। यह हरकतें न सिर्फ अपमानजनक थीं बल्कि दंडनीय भी कही जा सकती हैं। खेल के नाम पर ऐसी नफरत और मखौल की गुंजाइश कहीं नहीं है, खासकर तब जब दोनों देशों के बीच रिश्ते वैसे ही तनाव से भरे हों। पाकिस्तान के पुराने खिलाड़ी अक्सर खेल की इज़्ज़त करते थे। वे मैदान में खेल पर ध्यान केंद्रित करते और प्रतिद्वंद्विता को केवल खेल तक सीमित रखते। लेकिन मौजूदा खिलाड़ियों के रवैये में बदलाव साफ दिख रहा है। उन्होंने मैदान में खेल से ज्यादा भारत और भारतीयों की भावनाओं का मज़ाक उड़ाने पर जोर दिया। यह बात न सिर्फ खिलाड़ियों की पेशेवर प्रतिबद्धता पर सवाल खड़े करती है, बल्कि यह भी दिखाती है कि वे खेल को राजनीति और नफरत का मंच बना रहे हैं। इस हरकत का करारा जवाब देना भारत के लिए ज़रूरी हो गया है। भारत को सबसे पहले यह विचार करना चाहिए कि आखिर क्यों पाकिस्तान के साथ बहुपक्षीय टूर्नामिंट्स में भी खेलना चाहिए। जब पाकिस्तान लगातार सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देता है, जब उसके हाथ भारत के निर्दोष नागरिकों के खून से रंगे हुए हैं, तब खेल के नाम पर उनसे दोस्ती का दिखावा करना कहीं से भी सही नहीं लगता। अभी हाल ही में पहलगाम में हुआ आतंकी हमला हमारे ज़हन में ताज़ा है। भले ही भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के ज़रिए इसका जवाब दिया हो, लेकिन उन परिवारों के ज़ख्म अभी भी हरे हैं जिन्होंने अपने प्रियजन खो दिए। ऐसे माहौल में पाकिस्तान से क्रिकेट खेलने का निर्णय देशवासियों की भावनाओं के बिल्कुल खिलाफ था। भारतीय जनता के मन में पाकिस्तान को लेकर आक्रोश स्वाभाविक है। वे नहीं चाहते कि जिस मुल्क की नापाक हरकतें उनके सैनिकों और नागरिकों की जान लेती हैं, उसी के खिलाड़ियों को भारत के साथ खेलने का सम्मान दिया जाए। यह बात अब और भी पुख्ता हो गई है कि पाकिस्तान के खिलाड़ियों के असभ्य आचरण के बाद भारत को इस फैसले पर पुनर्विचार करना चाहिए। खेल का मकसद आपसी भाईचारे और मेलजोल को बढ़ावा देना होता है, लेकिन अगर कोई देश खेल को भी नफरत फैलाने का साधन बना दे तो उसके साथ खेलना बेकार है। भारत और पाकिस्तान के रिश्ते हमेशा ही राजनीतिक तनाव से भरे रहे हैं।

चाबहार पर संकट: भारत की कनेक्टिविटी और ऊर्जा सुरक्षा पर गहराता खतरा

-चाबहार पोर्ट – भारत की भू-रणनीति का अहम स्तंभ

भारत की भू-राजनीतिक रणनीति पिछले तीन दशकों से इस बात पर केंद्रित रही है कि वह अपनी भौगोलिक सीमाओं से परे जाकर मध्य एशिया, अफगानिस्तान और यूरोप तक सीधी पहुँच बना सके। 1947 में विभाजन के बाद से पाकिस्तान के कारण भारत का पश्चिमी एशिया और यूरोप से सीधा ज़मीनी संपर्क टूट गया। ऐसे में ईरान का चाबहार बंदरगाह भारत के लिए एक सेतु की तरह है। लेकिन हाल ही में अमेरिका ने चाबहार पर लगाई गई छूट (waiver) को वापस लेकर भारत की इस रणनीति को गहरा झटका दिया है। यह संकट भारत की कूटनीति, ऊर्जा सुरक्षा और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी पर कैसे असर डाल रहा है और भारत को आगे किस तरह के विकल्प तलाशने होंगे।

चाबहार पोर्ट: भारत की भू-रणनीति का अहम स्तंभ

चाबहार पोर्ट ईरान के दक्षिण-पूर्व में ओमान की खाड़ी पर स्थित है। यह ईरान का एकमात्र महासागरीय (deep sea) बंदरगाह है। इसकी सबसे बड़ी अहमियत यह है कि यह पाकिस्तान के ग्वादर पोर्ट से केवल 100 किमी की दूरी पर है। पाकिस्तान का ग्वादर पोर्ट चीन के चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (CPEC) परियोजना का प्रमुख हिस्सा है। भारत के लिए चाबहार पाकिस्तान को दरकिनार करते हुए अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक पहुँचने का वैकल्पिक रास्ता देता है। 2016 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, ईरान के राष्ट्रपति हसन रूहानी और अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी ने मिलकर ट्राईलेटरल एग्रीमेंट (त्रिपक्षीय समझौता) पर हस्ताक्षर किए। इसका उद्देश्य था – भारत चाबहार में निवेश करेगा। अफगानिस्तान तक रेलवे और सड़क मार्ग से कनेक्टिविटी बनेगी। मध्य एशिया तक भारत की व्यापारिक पहुँच आसान होगी। भारत की सरकारी कंपनी इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड (IPGL) 2018 से चाबहार के शाहिद बेहेश्ती टर्मिनल का संचालन कर रही है। इसमें अब तक भारत ने लगभग 120 मिलियन डॉलर निवेश किया है।

अमेरिकी प्रतिबंध और छूट की पृष्ठभूमि

ईरान लंबे समय से अमेरिकी प्रतिबंधों (sanctions) का सामना कर रहा है। 2015 में हुआ ईरान परमाणु समझौता (JCPOA) ट्रंप प्रशासन ने 2018 में तोड़ दिया और "मैक्सिमम प्रेशर पॉलिसी" लागू की। भारत को चाबहार के लिए जो छूट मिली थी, वह Iran Freedom and Counter Proliferation Act (IFCA) के तहत थी। यह छूट 2018 में दी गई थी ताकि भारत चाबहार प्रोजेक्ट को आगे बढ़ा सके। अमेरिका ने इसे इसलिए स्वीकार किया था क्योंकि अफगानिस्तान की स्थिरता और पुनर्निर्माण के लिए यह ज़रूरी था। लेकिन अब सितंबर 2025 से यह छूट हटा दी गई है। इसका मतलब यह है कि भारत की IPGL पर सीधे अमेरिकी प्रतिबंध लागू होंगे और कोई भी भारतीय कंपनी, बैंक या जहाज़ चाबहार से जुड़ा लेन-देन करने में जोखिम महसूस करेगा।

भारत की रणनीतिक मुश्किलें

अमेरिका के इस फैसले से भारत की तीन स्तर पर मुश्किलें खड़ी हो गई हैं—

कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट खतरे में: भारत जिस इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर (INSTC) की योजना बना रहा था, उसमें चाबहार को केंद्रीय भूमिका दी गई थी। यह कॉरिडोर भारत को मध्य एशिया और रूस तक पहुँचाता। अब इस पूरी रणनीति पर सवाल खड़े हो गए हैं।

अफगानिस्तान तक पहुँच मुश्किल: तालिबान सरकार के आने के बाद अफगानिस्तान तक भारत की पहुँच वैसे ही सीमित हो गई है। चाबहार इसके लिए

एकमात्र भरोसेमंद रास्ता था। अगर यह भी प्रभावित हुआ तो भारत का अफगानिस्तान में प्रभाव और कम हो जाएगा।

ऊर्जा सुरक्षा पर असर: भारत ईरान से सस्ता तेल और गैस खरीद सकता था। चाबहार इस ऊर्जा व्यापार के लिए एक गेटवे बन सकता था। लेकिन प्रतिबंधों की वजह से भारत पहले ही ईरान से तेल खरीदना बंद कर चुका है। अब यह विकल्प और कमजोर हो गया है।

ग्वादर बनाम चाबहार: एशिया में नया शक्ति-संतुलन

चीन ने पाकिस्तान में ग्वादर पोर्ट पर भारी निवेश किया है। यह CPEC और Belt and Road Initiative (BRI) का अहम हिस्सा है। ग्वादर से चीन को अरब सागर तक सीधी पहुँच मिलती है और वह भारत को रणनीतिक रूप से घेर सकता है। भारत ने चाबहार को इसके जवाब के रूप में विकसित किया था। अगर भारत चाबहार से पीछे हटता है तो चीन और पाकिस्तान को सीधा फायदा होगा। चीन पहले ही ईरान में 400 बिलियन डॉलर के निवेश समझौते (2020) पर हस्ताक्षर कर चुका है। इसमें ऊर्जा, इंफ्रास्ट्रक्चर और रक्षा सहयोग शामिल है।

ऊर्जा सुरक्षा का सवाल

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता है। भारत की तेल खपत का लगभग 85% आयात से आता है। ईरान भारत के लिए सस्ता और भरोसेमंद सप्लायर था। 2019 तक भारत ईरान से बड़ी मात्रा में कच्चा तेल खरीद रहा था, लेकिन अमेरिकी दबाव के बाद यह रुक गया। ईरान का तेल न मिलने से भारत को महंगा खाड़ी तेल और रूस से अतिरिक्त खरीद करनी पड़ रही है। इससे विदेशी मुद्रा पर बोझ और ऊर्जा कीमतों में अस्थिरता बनी रहती है।

भारत की कूटनीतिक दुविधा

भारत के सामने आज यह कठिनाई है कि— एक तरफ अमेरिका उसका रणनीतिक साझेदार है (QUAD, इंडो-पैसिफिक, रक्षा सहयोग)। दूसरी तरफ ईरान और रूस जैसे देश भारत की ऊर्जा और भू-रणनीतिक ज़रूरतों के लिए ज़रूरी हैं। भारत को संतुलित कूटनीति अपनानी होगी। जैसे— अमेरिका को समझाना कि चाबहार सिर्फ भारत के हित का नहीं बल्कि अफगानिस्तान और मध्य एशिया की स्थिरता के लिए भी महत्वपूर्ण है। ईरान के साथ बैक-चैनल बातचीत कर निवेश बचाने की कोशिश। रूस और मध्य एशिया के देशों के साथ मिलकर अमेरिका पर दबाव बनाना कि वह कम से कम ट्रांजिट और मानवीय सप्लाई पर प्रतिबंध न लगाए।

भारत के लिए संभावित विकल्प

INSTC और रूस-ईरान सहयोग: रूस और ईरान दोनों अमेरिकी प्रतिबंधों को चुनौती दे रहे हैं। भारत इनके साथ मिलकर INSTC को आगे बढ़ा सकता है।

ऊर्जा साझेदारी में विविधता: भारत को खाड़ी देशों, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका से तेल और गैस के स्रोत बढ़ाने होंगे ताकि ईरान पर निर्भरता कम हो।

चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला: चाबहार अगर चीन के हाथ में जाता है तो भारत के लिए बड़ा नुकसान होगा। इसलिए भारत को हर हाल में अपनी हिस्सेदारी बनाए रखने की कोशिश करनी होगी।

क्षेत्रीय साझेदारी: अफगानिस्तान, उज्बेकिस्तान, कजाखिस्तान जैसे देशों को साथ लेकर चाबहार प्रोजेक्ट को क्षेत्रीय कनेक्टिविटी की साझा परियोजना बनाया जा सकता है। चाबहार केवल एक बंदरगाह नहीं है, बल्कि यह भारत की भू-रणनीतिक सोच, ऊर्जा सुरक्षा और पश्चिम एशिया की कूटनीति का आधार है। अमेरिका का छूट वापस लेना भारत के लिए गहरी चुनौती है। भारत को अब दोहरी रणनीति अपनानी होगी— अमेरिका से करीबी रिश्ते बनाए रखते हुए, ईरान और रूस जैसे देशों के साथ वैकल्पिक रास्ते खोजने होंगे। अगर भारत चाबहार से पीछे हटता है तो पाकिस्तान-चीन की जोड़ी को सीधा फायदा होगा और भारत की पश्चिम एशिया व मध्य एशिया में पहुँच बुरी तरह प्रभावित होगी।

भारत-ईरान-चीन त्रिकोण और भविष्य की चुनौती

ईरान की अर्थव्यवस्था लंबे समय से अमेरिकी प्रतिबंधों से जूझ रही है। ऐसे में चीन उसके लिए सबसे बड़ा निवेशक और साझेदार बनकर सामने आया है। 2020 में हुई 400 बिलियन डॉलर की डील इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। चीन ईरान के तेल और गैस का सस्ता खरीदार बन गया है और बदले में ईरान में सड़क, रेल और बंदरगाह परियोजनाओं में पैसा लगा रहा है। भारत के लिए यह स्थिति बेहद चुनौतीपूर्ण है। एक तरफ चीन अपने "बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI)" को और मजबूत कर रहा है, वहीं दूसरी तरफ भारत की "कनेक्ट सेंट्रल एशिया" नीति कमजोर पड़ सकती है।

भ्रष्टाचार पर अंकुश लगना बेहद ज़रूरी

-व्यवस्थागत खामियों को दूर किए बिना नहीं थमेगा यह कैंसर

भ्रष्टाचार आज़ाद भारत की सबसे बड़ी और गहरी बीमारियों में से एक है। यह केवल रिश्वत लेने-देने तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे सिस्टम को खोखला कर देने वाली ऐसी मानसिकता है, जिसने समाज की जड़ों को खोखला कर दिया है। आम आदमी का हक़ छीना जा रहा है, ग़रीब को सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा, युवाओं की प्रतिभा अवसर न मिलने के कारण दम तोड़ रही है और जनता का भरोसा प्रशासन से उठता जा रहा है। राजस्थान ही नहीं, पूरे भारत में आए दिन एंटी करप्शन ब्यूरो (ACB) की कार्रवाई की ख़बरें आती हैं। कभी पटवारी, कभी इंजीनियर, कभी अफ़सर घूस लेते पकड़े जाते हैं। लेकिन यह विडंबना है कि ऐसे मामलों में सज़ा इतनी कड़ी नहीं होती कि बाकी के लिए सबक़ बन सके। जेल से छूटते ही वही कर्मचारी फिर से फील्ड पोस्टिंग पा जाते हैं। यही कारण है कि भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के सरकारी प्रयास महज़ रस्म अदायगी साबित हो रहे हैं।

भ्रष्टाचार की परिभाषा और स्वरूप

भ्रष्टाचार का अर्थ है – अधिकारों, कर्तव्यों और कानून का दुरुपयोग करके निजी लाभ लेना। इसमें केवल पैसों का लेन-देन ही नहीं, बल्कि पक्षपात, भाई-भतीजावाद, नियमों को तोड़ना और प्रभाव का ग़लत इस्तेमाल भी शामिल है। निचले स्तर पर भ्रष्टाचार – जैसे पटवारी से लेकर पुलिस कांस्टेबल तक, जो आम आदमी से सीधे जुड़ा होता है। ऊपरी स्तर पर भ्रष्टाचार – बड़े अधिकारियों और नेताओं का, जहां ठेकों, ट्रांसफर-पोस्टिंग और नीति निर्माण में ग़लत खेल होता है। नैतिक भ्रष्टाचार – जब समाज रिश्वत को सामान्य मानने लगे और ग़लत को ग़लत कहने का साहस खो दे।

हालात की गंभीरता

जयपुर का हालिया मामला इसका ज्वलंत उदाहरण है। जब एक पटवारी ने खुलेआम कहा – "अभी नहीं तो कब कमाऊंगा?" – यह वाक्य केवल उसकी सोच को नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम की मानसिकता को उजागर करता है। यह मानसिकता कहती है कि सरकारी

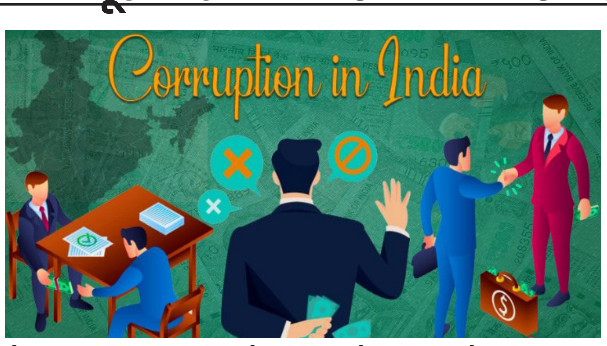

नौकरी निजी लाभ का साधन है, न कि जनता की सेवा का माध्यम। हर दिन समाचार पत्रों और पोर्टलों पर खबरें आती हैं कि एसीबी ने इतने हज़ार रुपये की रिश्वत लेते कर्मचारी को पकड़ा। लेकिन यही कर्मचारी कुछ महीनों या सालों बाद फिर से उसी जगह पर ड्यूटी करता हुआ दिखाई देता है। यही व्यवस्था की सबसे बड़ी खामी है।

भ्रष्टाचार के कारण

भ्रष्टाचार क्यों पनप रहा है, यह समझना ज़रूरी है। इसके कुछ प्रमुख कारण हैं – कानून का डर खत्म होना – पकड़े जाने के बाद भी सज़ा न मिलना। राजनीतिक संरक्षण – नेताओं और अफ़सरों का आपसी गठजोड़। जटिल प्रशासनिक ढांचा – फाइलों का अंबार, चक्कर लगवाने की आदत। कम वेतन और असुरक्षा – निचले स्तर के कर्मचारी अकसर आय बढ़ाने के लिए रिश्वत की राह पकड़ लेते हैं। समाज में स्वीकृति – लोग खुद कहते हैं कि "बिना पैसे दिए काम नहीं होगा।" जवाबदेही की कमी – किसी अफ़सर से यह सवाल नहीं किया जाता कि जनता को समय पर काम क्यों नहीं मिला।

समाज पर असर

भ्रष्टाचार केवल सरकारी तंत्र की समस्या नहीं है, यह समाज की जड़ों को खोखला कर रहा है। आम आदमी पीड़ित – उसे अपने हक़ का काम कराने के लिए भी रिश्वत देनी पड़ती है। ग़रीबी का विस्तार – ग़रीबों तक योजनाओं का लाभ नहीं पहुंच पाता। न्याय में देरी – अदालत से लेकर पुलिस तक, हर जगह रिश्वत के बिना न्याय पाना कठिन है। शिक्षा और स्वास्थ्य प्रभावित – फंड की बंदरबांट से स्कूल, अस्पताल बदहाल रहते हैं। युवाओं का मोहभंग – नौकरियों और प्रतियोगी परीक्षाओं में भ्रष्टाचार से प्रतिभाशाली युवाओं का हौसला टूटता है।

कानून और खामियाँ

भारत में भ्रष्टाचार रोकने के लिए कई कानून बनाए गए हैं – जैसे भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 और लोकपाल-लोकायुक्त अधिनियम 2013। इसके अलावा सीबीआई और एसीबी जैसे संस्थान काम कर रहे हैं। लेकिन समस्या यह है कि – जांच लंबी खिंच जाती है। गवाह डर जाते हैं या ख़रीदे जाते हैं। दोष सिद्ध करना मुश्किल होता है। निलंबन और पोस्टिंग प्रक्रिया में राजनीति हावी रहती है। इससे भ्रष्ट कर्मचारी निडर हो जाता है। उसे पता है कि अगर पकड़ा भी गया तो कुछ दिन जेल, फिर बेल और उसके बाद वही पुराना खेल।

सुधार की ज़रूरत

भ्रष्टाचार रोकने के लिए केवल पकड़े जाने पर कार्रवाई करना पर्याप्त नहीं है। इसके लिए व्यापक और गहरे सुधार करने होंगे – कठोर दंड – भ्रष्टाचार में पकड़े गए कर्मचारी की नौकरी तुरंत समाप्त हो। फास्ट ट्रैक कोर्ट – 6 महीने में केस का निपटारा हो। जवाबदेही प्रणाली – अधिकारी से नियमित सवाल-जवाब हो कि योजनाओं का लाभ जनता तक क्यों नहीं पहुंचा। डिजिटल गवर्नेंस – अधिक से अधिक सेवाएं ऑनलाइन हों, जिससे मानव संपर्क कम हो और रिश्वत की गुंजाइश घटे। राजनीतिक इच्छाशक्ति – नेताओं को खुद साफ़ छवि के साथ आगे आना होगा। जन भागीदारी – जनता को शिकायत दर्ज करने और उसकी ट्रैकिंग का आसान साधन मिले। पारदर्शिता – हर विभाग की कार्यप्रणाली ऑनलाइन उपलब्ध हो।

भ्रष्टाचार रोकने में तकनीक की भूमिका

डिजिटल इंडिया अभियान के तहत कई सेवाएं ऑनलाइन हो चुकी हैं। लेकिन अभी भी ज़मीन स्तर पर इसका सही असर नहीं दिख रहा। अगर ई-गवर्नेंस को और मज़बूत किया जाए तो – फ़ाइलों का फिज़िकल मूवमेंट बंद होगा। हर प्रक्रिया ऑनलाइन रिकॉर्ड होगी। अधिकारी की ज़िम्मेदारी तय होगी। आम आदमी को आसानी होगी और भ्रष्टाचार की गुंजाइश कम होगी।

नैतिक शिक्षा और सामाजिक बदलाव

कानून और सख़्ती अपनी जगह हैं, लेकिन जब तक समाज की सोच नहीं बदलेगी, तब तक समस्या पूरी तरह खत्म नहीं होगी। बच्चों को स्कूल से ही ईमानदारी, पारदर्शिता और राष्ट्रहित की शिक्षा दी जानी चाहिए। समाज को यह समझना होगा कि रिश्वत देना भी अपराध है। जब तक लोग खुद यह न ठानें कि "हम रिश्वत नहीं देंगे", तब तक यह लड़ाई अधूरी रहेगी।

सरकार की भूमिका

सरकार को चाहिए कि वह – लोकपाल और लोकायुक्त संस्थाओं को मज़बूत करे। भ्रष्ट कर्मचारियों के खिलाफ़ त्वरित कार्रवाई करे। व्हिसल ब्लोअर को सुरक्षा दे। सख्त कानून बनाए, जिसमें ज़मानत तक मुश्किल हो। नियमित ऑडिट और सोशल ऑडिट कराए। भ्रष्टाचार किसी भी राष्ट्र के लिए कैंसर की तरह है। यह केवल आर्थिक नुकसान नहीं पहुंचाता, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा को भी खोखला कर देता है। आज़ादी के 75 साल बाद भी अगर आम आदमी को अपने जायज़ काम कराने के लिए रिश्वत देनी पड़ रही है तो यह शर्मनाक स्थिति है। अब समय आ गया है कि सरकार, समाज और हर नागरिक मिलकर भ्रष्टाचार के खिलाफ़ निर्णायक जंग छेड़े। कठोर कानून, तकनीक का इस्तेमाल, जवाबदेही और सामाजिक चेतना – इन सबका मिलाजुला प्रभाव ही इस समस्या को जड़ से मिटा सकता है। जब तक भ्रष्टाचार को केवल "कार्रवाई" के स्तर पर देखा जाएगा, तब तक यह खत्म नहीं होगा। इसे जड़ से उखाड़ने के लिए सख्त और साहसिक कदम उठाने ही होंगे। तभी देश की जनता को सच्चे अर्थों में आज़ादी और न्याय का अनुभव हो पाएगा।

वित्तीय सुरक्षा: बड़ी रकम के बजाय थोड़ी व सुलभ राशि रखना है समझदारी

-डिजिटल और नकद का संतुलन

आज का दौर डिजिटल क्रांति का है। स्मार्टफोन और इंटरनेट ने हमारे जीवन के हर क्षेत्र को बदल दिया है। पैसों का लेन-देन भी अब काफी हद तक डिजिटल हो चुका है। यूपीआई, मोबाइल बैंकिंग, डेबिट-क्रेडिट कार्ड, और एटीएम सेवाओं ने नकद पर निर्भरता को काफी हद तक घटा दिया है। आज हम रोज़मर्रा की खरीदारी से लेकर बड़े व्यापारिक सौदे तक एक बटन दबाकर कर सकते हैं। लेकिन इस डिजिटल सुविधा ने एक बड़ा सवाल भी खड़ा किया है—क्या हम पूरी तरह से डिजिटल लेन-देन पर निर्भर रह सकते हैं?

इस सवाल का उत्तर है—नहीं। आज भी घर में कुछ नकद रखना उतना ही जरूरी है जितना पहले हुआ करता था। यह सिर्फ सुविधा नहीं बल्कि जीवन की सुरक्षा और आपात स्थिति से निपटने का व्यावहारिक उपाय है।

केवल डिजिटल भुगतान पर निर्भर रहने की सीमाएं

सर्वर डाउन और नेटवर्क समस्या

भारत जैसे विशाल देश में इंटरनेट सेवाएं हर जगह समान रूप से उपलब्ध नहीं हैं। कई बार ग्रामीण इलाकों में या यहां तक कि बड़े शहरों में भी सर्वर डाउन होने या नेटवर्क न मिलने की समस्या आती है। ऐसे समय में डिजिटल पेमेंट असंभव हो जाता है। अगर आपके पास नकद नहीं है तो छोटी-छोटी जरूरतें भी पूरी करना मुश्किल हो जाता है।

तकनीकी गड़बड़ी और साइबर खतरे

ऑनलाइन भुगतान पूरी तरह तकनीक पर आधारित है। एक छोटी-सी गड़बड़ी, ऐप क्रैश या साइबर अटैक आपके पैसे तक पहुंचने में रुकावट पैदा कर सकता है। हैकिंग और धोखाधड़ी के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। कई बार बैंकिंग सर्वर पर हमला होने से लेन-देन ठप हो जाते हैं।

बिजली और इंटरनेट की अनुपलब्धता

अगर बिजली न हो या इंटरनेट सेवाएं बाधित हो जाएं तो डिजिटल लेन-देन रुक जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों या प्राकृतिक आपदा के

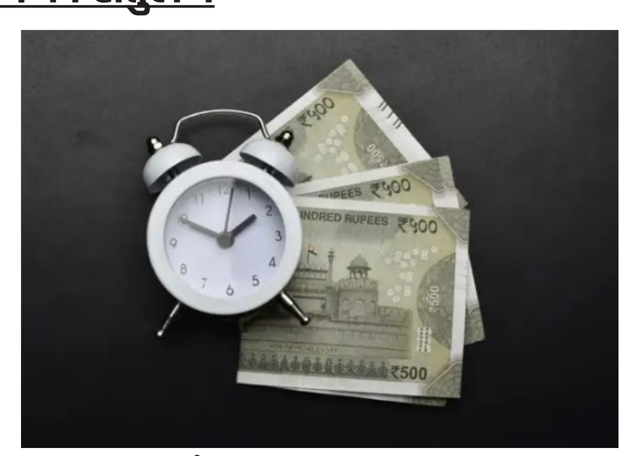

समय यह समस्या और भी गंभीर हो सकती है।

छोटे व्यापारियों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की हकीकत

आज भी लाखों छोटे दुकानदार और ग्रामीण क्षेत्र के लोग नकद लेन-देन को ही प्राथमिकता देते हैं। दूधवाले, सब्ज़ीवाले, रिक्शा चालक, मजदूर या गांव की किराना दुकान पर डिजिटल भुगतान हमेशा संभव नहीं होता। ऐसे में नकद होना ही सबसे आसान समाधान है।

घर में नकद रखने की आवश्यकता

आपात स्थिति में सहारा

आपातकालीन परिस्थितियों में नकद सबसे बड़ा सहारा बनता है। मान लीजिए अचानक किसी को अस्पताल ले जाना पड़ जाए, एम्बुलेंस की ज़रूरत हो, या दवाइयां तुरंत खरीदनी हों और नेटवर्क डाउन हो जाए, तो नकद ही आपकी मदद करेगा।

कर्फ्यू और लॉकडाउन की स्थिति

कोरोना महामारी के समय हमने देखा कि कई जगह एटीएम बंद हो गए थे और बैंकिंग सेवाओं में दिक्कत आ रही थी। जिन लोगों के पास घर पर नकद था, वे जरूरी राशन और दवाइयां आसानी से खरीद पाए।

युद्ध या प्राकृतिक आपदा की स्थिति

इतिहास गवाह है कि युद्ध या भूकंप, बाढ़ जैसी आपदाओं में बैंकिंग व्यवस्था ठप हो जाती है। 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान कई बैंकों ने एटीएम सेवाएं बंद कर दीं। नकदी संकट आम जनता के लिए भारी समस्या बना। यही अनुभव भारत-पाक युद्धों या कश्मीर जैसी संवेदनशील जगहों पर भी देखा गया।

यात्रा और सड़क हादसों में सहूलियत

यात्रा करते समय कई बार हाइवे पर नेटवर्क नहीं मिलता। टोल प्लाज़ा या ढाबों पर कैश की मांग होती है। इसी तरह सड़क हादसे जैसी आकस्मिक घटनाओं में नकद मददगार होता है।

नकद कितना और कैसे रखें?

बड़ी रकम नहीं, सिर्फ ज़रूरत के मुताबिक: घर पर बहुत बड़ी रकम रखना सुरक्षित नहीं है। चोरी-डकैती का खतरा रहता है। इसलिए समझदारी यही है कि रोज़मर्रा की ज़रूरत और आपात स्थिति को देखते हुए छोटी और सुलभ राशि ही रखें।

नोटों को अलग-अलग मूल्य में रखना: केवल बड़े नोट (₹500) रखने से काम मुश्किल हो सकता है। छोटे नोट जैसे ₹100, ₹50, ₹20 और सिक्के भी घर पर रखें ताकि छोटे भुगतान में आसानी हो।

सुरक्षित जगह पर रखना: नकद को घर में सुरक्षित और गोपनीय जगह पर रखें। लॉकर, अलमारी या सेफ का इस्तेमाल करें। बच्चों की पहुंच से दूर रखना भी आवश्यक है।

नियमित रूप से जांच करना: कई बार लोग नकद रखकर भूल जाते हैं, जिससे नोट पुराने या खराब हो जाते हैं। इसलिए समय-समय पर नकद की जांच करते रहें।

डिजिटल और नकद का संतुलन: समझदारी का रास्ता

सिर्फ नकद पर निर्भर रहना आज के समय में व्यावहारिक नहीं है। उसी तरह केवल डिजिटल भुगतान पर निर्भर रहना भी खतरनाक हो सकता है। समझदारी यही है कि दोनों के बीच संतुलन बनाया जाए। रोज़ाना की ज़रूरत और छोटी खरीदारी के लिए नकद रखें। बड़ी खरीदारी और सुरक्षित लेन-देन के लिए डिजिटल माध्यम का उपयोग करें। घर में हमेशा कम-से-कम 15–20 दिनों की ज़रूरत के बराबर नकद राशि होनी चाहिए। यात्राओं या बड़े खर्चों के लिए डिजिटल वॉलेट और कार्ड का इस्तेमाल करें।

इतिहास और वर्तमान से सबक नोटबंदी का अनुभव

भारत में 2016 की नोटबंदी एक बड़ा उदाहरण है। अचानक ₹500 और ₹1000 के नोट बंद कर दिए गए थे। लोग बैंक और एटीएम की लाइन में खड़े रहे। जिनके पास छोटे नोट और कैश था, वे कुछ हद तक आसानी से काम चला पाए।

कोरोना महामारी का दौर

लॉकडाउन के समय कई लोग डिजिटल भुगतान पर पूरी तरह निर्भर थे। लेकिन जिन जगहों पर नेटवर्क या सर्वर काम नहीं कर रहा था, वहां कैश ही असली सहारा बना।

अंतरराष्ट्रीय उदाहरण: वेनेजुएला और ग्रीस जैसे देशों में आर्थिक संकट के दौरान बैंकिंग सिस्टम बुरी तरह प्रभावित हुआ। बैंकों ने पैसे निकालने की सीमा तय कर दी थी। ऐसे हालात में नकद की अहमियत सामने आई।

मनोवैज्ञानिक और सामाजिक पहलू

नकद सिर्फ आर्थिक जरूरत नहीं बल्कि मनोवैज्ञानिक सुरक्षा भी देता है। घर में थोड़ी नकदी होने से व्यक्ति को आत्मविश्वास मिलता है कि किसी भी मुश्किल घड़ी में वह अपने परिवार की मदद कर पाएगा। सामाजिक दृष्टि से भी नकद महत्वपूर्ण है। कई बार रिश्तेदारों या पड़ोसियों को अचानक मदद की ज़रूरत पड़ती है। ऐसे समय डिजिटल ट्रांजेक्शन करने से ज्यादा आसान है हाथों-हाथ कुछ नकद देना।

सरकार और वित्तीय संस्थानों की भूमिका

वित्तीय साक्षरता अभियान: जनता को यह समझाना जरूरी है कि डिजिटल और नकद दोनों का संतुलन रखना ही सुरक्षित है।

स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत प्रभारी मंत्री ने RRR मोबाइल वैन को दिखाई हरी झंडी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत गुरूवार को बिडला ऑडिटोरियम में RRR मोबाइल वैन को प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर सांसद (जयपुर शहर) श्रीमती मंजू शर्मा, महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर कलेक्टर जितेन्द्र सोनी, आयुक्त डॉ. गौरव सैनी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर सफाई मित्रों ने स्वच्छता ही सेवा की मानव श्रृंखला (Human Chain) बनाई। प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल ने इस अवसर पर कहा कि "यह पहल न केवल जरूरतमंदों की सहायता करेगी बल्कि अपशिष्ट प्रबंधन और पुनः उपयोग (Reduce, Reuse, Recycle) की भावना को भी सशक्त बनाएगी।" आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने बताया कि इस वैन का मुख्य उद्देश्य घर-घर से ऐसी सामग्री एकत्रित करना है, जैसे कि पुराने जूते-चप्पल, कपड़े, खिलौने, किताबें एवं अन्य उपयोगी वस्तुएँ, जो परिवारों द्वारा अब उपयोग में नहीं ली जा रही हैं, किन्तु जरूरतमंद व्यक्तियों के लिए सहायक सिद्ध हो सकती हैं। एकत्रित सामग्री को नगर निगम द्वारा सुव्यवस्थित तरीके से छांटा जाएगा और उसके बाद इन्हें सीधे जरूरतमंद परिवारों तक पहुँचाया जाएगा। इसके अतिरिक्त यह मोबाइल वैन प्रतिदिन अलग-अलग वार्डों में जाकर सामग्री संग्रहण एवं वितरण का कार्य करेगी। उन्होंने बताया कि सफाई मित्रों ने स्वच्छता ही सेवा की मानव श्रृंखला (Human Chain) बनाई। यह आयोजन स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने और समाज में सफाई कर्मियों के योगदान को सम्मानित करने के उद्देश्य से किया गया। सफाई मित्रों द्वारा बनाई गई यह मानव श्रृंखला एकता, सहयोग और स्वच्छता के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक थी। यह एक प्रतीकात्मक प्रयास था जिससे आम जनता को यह संदेश मिले कि स्वच्छता केवल सरकारी दायित्व नहीं, बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी है। इसके साथ नगर निगम ग्रेटर मुख्यालय "स्वच्छता चर्चा एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों ने अपशिष्ट सामग्री (Waste Material) से निर्मित आकर्षक कलाकृतियाँ एवं स्वच्छता विषयक पोस्टर्स प्रदर्शित किए। इन रचनात्मक प्रदर्शनों ने यह संदेश दिया कि अपशिष्ट का सही उपयोग कर पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता दोनों को बढ़ावा दिया जा सकता है।

'जयपुर ध्रुवपद फेस्टिवल' में सुरीले कंठों पर सजी ध्रुवपद गायिकी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सुरों से सुसज्जित मंच पर दिग्गज कलाकारों ने सुर, लय और ताल का बेजोड़ प्रदर्शन कर संगीतरसिकों को भाव-विभोर कर दिया। कला, साहित्य, संस्कृति विभाग राजस्थान सरकार और जवाहर कला केंद्र की ओर से आयोजित दो दिवसीय 'जयपुर ध्रुवपद फेस्टिवल' का जवाहर कला केंद्र में सुरीला आगाज हुआ। स्वागत जयपुर फाउंडेशन और विश्व ध्रुवपद गुरुकुल निर्देशित और क्यूरेट फेस्टिवल में कलाकारों ने प्राचीन ध्रुवपद गायिकी से श्रोताओं को आनंदित कर दिया। इससे पूर्व आध्यात्मिक गुरु डॉ. हबीब उर रहमान नियाजी, स्वागत जयपुर फाउंडेशन चेयरमैन इकबाल खान और ध्रुवपद गायक उस्ताद वासिफउद्दीन खां डागर ने समा रोशन कर कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की। मॉर्निंग रागा कार्यक्रम में डागर घराने के शिष्य व युवा ध्रुवपद गायक रहमान हरफन मौला का ध्रुवपद गायन हुआ। उन्होंने अपनी ध्रुवपद गायिकी में सुबह की राग-रागिनियों को अपनी प्रस्तुतियों का माध्यम बनाया।

तोड़ी के रंग, ध्रुवपद के संग:-

मॉर्निंग रागा की शुरुआत में कलाकार रहमान हरफन मौला ने समयानुसार राग मियां की तोड़ी में आलाप किया। इसके बाद उन्होंने इसी राग में 'मैरो मन अति उल्लास...' बंदिश को प्रस्तुत कर सुरों पर अपनी पकड़ का सफल प्रदर्शन किया। उन्होंने राग गुर्जरी तोड़ी में 'कटत विकार नाम उच्चार नर सुमिरन करे करतार...' बंदिश को भी पूरे मनोभाव से प्रस्तुत किया। इसके बाद राग भैरवी से अपनी प्रस्तुति को विराम दिया। उनके साथ पखावज पर कलाकार ऐश्वर्य आर्य ने संगत की।

राग यमन और जयजयवंती का सुरीला प्रदर्शन:-

समारोह की पहली शाम की कड़ी में उस्ताद ज़िया फरीदुउद्दीन खान डागर की शिष्या सुनीता अवनि अमीन का ध्रुवपद गायन हुआ। इस दौरान सुनीता अमीन ने राग यमन में धमार की प्रस्तुति दी। उन्होंने आलाप के बाद बंदिश के जरिए डागर घराने के सबक को तन्यमता से प्रस्तुत किया। इसके बाद राग अडाना में 'शिव शिव...' बंदिश से अपने गायन को विराम दिया। उनके साथ पखावज पर पं.मोहन श्याम शर्मा ने संगत की। अंत में दिल्ली के दिग्गज कलाकार पद्मश्री उस्ताद फैय्याज वासिफउद्दीन खान डागर ने अपने चिरपरिचित अंदाज में ध्रुवपद गायन से श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। उन्होंने शुरुआत में राग जयजयवंती में मियां तानसेन की बंदिश 'मुरलिया कैसे बाजे...' को प्रस्तुत कर सुर, लय और ताल का बेजोड़ प्रदर्शन किया। उन्होंने अपने आलाप के स्वरों के जरिए श्रोताओं को अपना मुरीद बना लिया। उनके साथ पखावज पर पं.मोहन श्याम शर्मा ने सधि हुई संगत की।

संवाद प्रवाह में नवाचार पर हुई चर्चा:-

कार्यक्रम के दूसरे चरण में संवाद प्रवाह के तहत ध्रुवपद गायिकी और उसके संरक्षण को लेकर गहन मंथन हुआ। इस मौके पर प्रोफेसर माया रानी टांक, राष्ट्रपति अवॉर्ड से सम्मानित वैदिक कलाकार रामू रामदेव और उस्ताद वासिफउद्दीन खान डागर सहित कथक गुरु रेखा ठाकर ने कथक, ध्रुवपद और चित्रकारी पर नवाचार को लेकर बात रखी। कलाकार रामू रामदेव ने कहा कि सरकार विभिन्न कलाओं को संरक्षण दे रही हैं। उन्होंने शास्त्रीय संगीत और विभिन्न कलाओं को लेकर कहा कि प्राइमरी स्कूलों में नई शिक्षा नीति लागू होनी चाहिए ताकि बच्चों में शास्त्रीय संगीत के प्रति रुचि पैदा कराई जा सके। कथक गुरु रेखा ठाकर और प्रोफेसर माया रानी टांक ने शिक्षण संस्थानों में ध्रुवपद और संगीत के महत्व पर गंभीरता से प्रकाश डाला। संवाद प्रवाह का मॉडरेशन वरिष्ठ संस्कृतिकर्मी इकबाल खान ने किया।

सेवा पखवाड़े में अल्पसंख्यक मोर्चे की सक्रिय भागीदारी रही

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन, संघर्ष और उपलब्धियों पर आधारित "नमो प्रदर्शनी" का आयोजन सेवा पर्व के अंतर्गत जवाहर कला केंद्र, जयपुर में किया जा रहा है। गुरुवार को इस प्रदर्शनी का अवलोकन जयपुर के मदरसों में पढ़ने वाले हज़ारों मुस्लिम छात्र-छात्राओं ने किया। इस प्रदर्शनी में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चे की महत्वपूर्ण भागीदारी रही। प्रदर्शनी में देश की संस्कृति, कला, नवाचार और प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में हुए ऐतिहासिक कार्यों का आकर्षक व अद्त प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष हमीद खान मेवाती, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एम. सादिक खान, फिरोज खान, पूर्व प्रदेश महामंत्री मुनव्वर खान, प्रदर्शनी संयोजक सोमकांत शर्मा, विधि प्रकोष्ठ संयोजक सौरभ सारस्वत, अजय विजय वर्गीय, चंद्रवीर हाडा,भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अपूर्वा सिंह, रेनू शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष सिकंदर बक्स, जंग बहादुर पठान, उस्मान चौहान, इरशाद हसनपुरा, जावेद खान, समीर मालिक,नवाब कुरैशी, याकूब खान सलीम महराज, नाहिदा परवीन,रफीक पठान,सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिला परिषद जयपुर की नवीन पहल, ग्राम पंचायत नायन को मिलेगी नई पहचान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत जयपुर जिले में प्लास्टिक मुक्त गांव की परिकल्पना को साकार करते हुए जिला परिषद् जयपुर की पंचायत समिति शाहपुरा की ग्राम पंचायत नायन में प्लास्टिक कचरा प्रबंधन इकाई (पीडब्लूएमयू) की स्थापना की गई है, जो कि राजस्थान में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अन्तर्गत स्थापित की गयी ऐसी सर्वप्रथम इकाई है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद जयपुर की पहल पर जिला परिषद् जयपुर द्वारा प्लास्टिक कचरा प्रबन्धन इकाई की स्थापना के लिए ₹16.00 लाख (सोलह लाख रुपये मात्र) की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई थी। प्लास्टिक कचरे के प्रसंस्करण के लिए इस इकाई में आधुनिक मशीनें लगाई जाएंगी जैसे डस्ट रिमूवर, प्लास्टिक श्रेडर मशीन, प्लास्टिक बेलिंग मशीन, वजन मशीन इत्यादि। उक्त कार्य का लोकार्पण स्वच्छता ही सेवा अभियान 2025 के समापन दिनांक एवं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जयंती 02, अक्टूबर 2025 को किया जाना प्रस्तावित है। इस पहल का उद्देश्य पंचायत समिति शाहपुरा के ग्रामीण क्षेत्रों में प्लास्टिक कचरे का बेहतर प्रबंधन करना, प्रदूषण को कम करना और आमजन को इसके हानिकारक प्रभावों से निजात दिलाना है। इस इकाई की स्थापना ग्राम पंचायत नायन में पहले से निर्मित रिसोर्स रिकवरी सेंटर (आरआरसी) के अन्दर की गयी है। यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों में प्लास्टिक कचरा प्रबंधन को मजबूत करने और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है एवं इससे ग्रामीणों एवं स्वयं सहायता समुह की महिलाओं को रोजगार के नये अवसर भी प्राप्त होगें। आगामी प्लास्टिक कचरा प्रबन्धन इकाई विराटनगर में स्थापित किया जाना प्रस्तावित है।

ताला में चोरों के हौसले बुलंद, 2 जगह पर चोरी करके चोर फरार

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। जमवारामगढ़ क्षेत्र के ग्राम ताला में बुद्धवार गुरुवार की रात को ताला में चोर 2 जगह पर चोरी करके फरार हो गए है । भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला महामंत्री जमील खान खोकर ने बताया कि श्रीमती छुट्टी बानो पत्नी पप्पू खान शेखावाड़ा मोहल्ला में और ब्राह्मण मोहल्ला के मनोज कुमार शर्मा के घर पर चोरों ने फिर से दो जगह पर चोरी की वारदात को अंजाम दिया जैसे ही घरवालों को पता चला उन्होंने तुरंत ताला चौकी में जानकारी दी सुबह मौके पर ताला चौकी कांस्टेबल अमित कुमार पहुंचकर मौका स्थिति का नक्शा बनाया। खोकर ने बताया कि पप्पू खान के घर से चोरी हुआ सामान में दो कंगन की जोड़ी चांदी की तीन जोड़ी चांदी की पाजेब एक सेट सोने की बाली कानों की और 5000 रुपए नकद राशि लेगए है जिसका अभी तक कोई भी सुराग नही लगा है।

धर्म परिवर्तन बिल के विरोध में संगठनों की गरज

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान विधान सभा में हाल ही में पारित हुआ विधि विरुद्ध धर्म परिवर्तन बिल 2025 लोकतांत्रिक मूल्यों और भारतीय संविधान की आत्मा पर सीधा हमला है। यह बिल कानून की दृष्टि से त्रुटिपूर्ण है और मूलतः उन सभी धार्मिक आस्थावानों को निशाना बनाने का औज़ार है, जो हिंदू धर्म से इतर धर्मों को मानते हैं। यह न केवल खतरनाक है बल्कि संविधान द्वारा अल्पसंख्यकों को प्रदत्त मौलिक अधिकारों का खुला उल्लंघन करता है। कई नागरिक समाज संगठनों एवं अंतरधार्मिक धार्मिक संगठनों ने मिलकर एक साझा मंच का गठन किया है। इस मंच का उद्देश्य इस बिल का विरोध करना, राज्यपाल से इसे हस्ताक्षरित न करने की अपील करना और अन्य संवैधानिक उपायों की मांग उठाना है। इस प्रेस वार्ता में न केवल इस बिल की आलोचना रखी जाएगी बल्कि उन पीड़ित व्यक्तियों को भी सामने लाया जाएगा, जो 3 सितम्बर से, जब से यह बिल विधानसभा में प्रस्तुत किया गया है, से आज तक जिन्होंने प्रताड़ना का सामना कर रहे हैं।

टोंक में नरेन्द्र बैरवा पटवारी व मोहम्मद नसीम (दलाल) को 15 हज़ार रूपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । ए.सी.बी. मुख्यालय जयपुर के निर्देश पर ए.सी.बी. भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो टोंक इकाई द्वारा आज कार्यवाही करते हुये आरोपी नरेन्द्र कुमार बैरवा हाल पटवारी पटवार हल्का कस्बा टोंक गर्दी तहसील टोंक व मोहम्मद नसीम दलाल को 15 हज़ार रूपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस श्रीमति स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि ए.सी.बी. भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो टोंक को एक शिकायत इस आशय की मिली कि आरोपी परिवादी के पुत्री/पुत्रों के नाम से खरीदी भूमि का नामान्तरण खोलने की एवज में आरोपी नरेन्द्र बैरवा पटवारी द्वारा 30 हज़ार रूपये रिश्वत राशि मांग कर परिवादी को परेशान किया जा रहा था। दिनांक 25.09.2025 को वक्त मांग सत्यापन आरोपी द्वारा 30 हज़ार रूपये रिश्वत राशि की मांग कर 15 हज़ार रूपये आज ही लाने हेतु तथा शेष 15 हज़ार रूपये बाद में देने हेतु परिवादी को कहा गया तथा रिश्वत राशि नहीं देने पर धमकी देकर नामान्तरण खारिज करने हेतु कहा।

जिस पर एसीबी के अनिल कायल उप महानिरीक्षक पुलिस अजमेर रेंज, अजमेर के सुपरवीजन में झाबर मल अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो टोंक इकाई ने ट्रेप कार्यवाही करते हुए आरोपी नरेन्द्र कुमार बैरवा, पटवारी ने अपनी उपस्थिति में अपने परिचित मोहम्मद नसीम (दलाल) को 15 हज़ार रूपये रिश्वत राशि परिवादी से दिलवाई गई। आरोपीगण को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है।

आरोपी से पूछताछ तथा कार्यवाही जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा ।

राज्य के निर्यात में 16 प्रतिशत से अधिक की रिकॉर्ड वृद्धि - कर्नल राज्यवर्धन राठौड़

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भारत सरकार द्वारा निर्यात के फाइनल आंकड़े जारी कर दिये गये हैं जिसके अनुसार वित्तीय वर्ष 2023-24 में जहाँ राज्य का कुल निर्यात रुपये 83.704.24 करोड़ था, वहीं वित्तीय वर्ष 2024-25 में यह बढ़कर रुपये 97.171.68 करोड़ हो गया है। इस प्रकार राज्य के निर्यात में 16 प्रतिशत से अधिक की रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की गई है, जो कि वर्तमान सरकार की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार ने निर्यातकों को प्रोत्साहन देने हेतु जो महत्त्वपूर्ण नीतिगत सुधार किए हैं, उसके तेजी से परिणाम प्राप्त होना प्रारंभ हो गये हैं। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने बताया कि राजस्थान की एक्सपोर्ट प्रमोशन पॉलिसी-2024, RIPS-2024, एक जिला एक उत्पाद नीति (ODOP). MSME Policy-2024 एवं राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इनवेस्टमेंट समिट-2024 का परिणाम है कि राज्य ने निर्यात के क्षेत्र में रिकॉर्ड सफलता प्राप्त की है। इसलिए यह भी उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के आकड़ों के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 की प्रथम तिमाही (अप्रेल से जून, 2025) में राज्य का निर्यात 25212.14 करोड रुपये दर्ज किया गया है जो कि गत वर्ष की प्रथम तिमाही के मुकाबले 14.37 प्रतिशत अधिक है। राज्य ने निर्यात में जिन उत्पादों में मुख्य रूप से वृद्धि दर्ज की है उनमें जैम एण्ड ज्वैलरी, इंजीनियरिंग गुड्स, टेक्सटाइल्स, हैंडीक्रापट, एग्रो एण्ड फूड प्रोडक्ट, प्लास्टिक प्रोडक्ट, एवं लेदर प्रोडक्ट आदि है। इन क्षेत्रों मे न केवल राज्य के निर्यात को नई गति दी है बल्कि बडे पैमाने पर राज्य के व्यक्तियों को रोजगार भी मिला है। उद्योग एवं वाणिज्य विभाग निर्यातकों के उत्थान हेतु निरन्तर प्रयासरत है। इस वृद्धि से राज्य के उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भागीदारी बढ़ाने में सहायता एवं एक नई दिशा मिलेगी। साथ ही विकसित भारत-2047 एवं विकसित राजस्थान-2047 के लक्ष्यों को प्राप्त करने और राज्य की अर्थव्यवस्था को 350 बिलियन डालर तक पहुंचाने में मदद मिलेगी।

771 अभ्यर्थियों को सौंपे गए सरकारी नौकरी के नियुक्ति पत्र

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर बांसवाड़ा के नापला में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आगमन पर ऐतिहासिक कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर, जोधपुर में किया गया, जहां बड़ी संख्या में विद्यार्थी, अभ्यर्थी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। जोधपुर में जिला स्तरीय कार्यक्रम में 771 अभ्यर्थियों को सरकारी नौकरी के नियुक्त पत्र प्रदान किए गए। प्रभारी मंत्री दिलावर ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज जो युवा नियुक्ति पत्र लेकर जा रहे हैं, यह केवल एक नौकरी नहीं बल्कि जनसेवा का अवसर है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 4 लाख युवाओं को रोजगार देने का संकल्प लिया था, जिनमें से अब तक 75 हजार को नियुक्ति पत्र दिए जा चुके हैं और 15 हजार को आज दिया जा रहा है। उन्होंने हरियालो राजस्थान अभियान की सराहना करते हुए कहा कि पेड़ हमारे जीवन का आधार हैं, उनकी रक्षा और संवर्धन के लिए प्रत्येक नागरिक को सजग रहना होगा। सरकार भी पेड़ों की सुरक्षा और रखरखाव सुनिश्चित करने की व्यवस्था कर रही है।

स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत "एक दिन, एक घंटा, एक साथ"

- पीकॉक गार्डन में स्वच्छता श्रमदान कार्यक्रम

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम ग्रेटर द्वारा स्वच्छता ही सेवा अभियान (17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025) के अंतर्गत संचालित विभिन्न गतिविधियों की श्रृंखला में गुरुवार को "एक दिन, एक घंटा, एक साथ" राष्ट्रव्यापी श्रमदान की थीम पर मालवीय नगर स्थित पीकॉक गार्डन में प्रातः 8 से 9 बजे तक स्वच्छता श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसके तहत महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर, निदेशक (स्वायत्त शासन विभाग) जुईकर प्रतीक चंद्रशेखर, आयुक्त डॉ. गौरव सैनी, उपायुक्त (स्वास्थ्य) ओमप्रकाश थानवी, उपायुक्त (मालवीय नगर जोन) प्रियव्रत चारण एवं अन्य अधिकारियों, कर्मचारियों, स्वच्छता योद्धाओं ने कचरे के ढेर हटाए। महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने इस अवसर पर पौधारोपण भी किया तथा उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलवाई। उन्होंने कहा कि कचरा प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ परिवेश बनाए रखना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है।

इस अवसर पर निदेशक (स्वायत्त शासन विभाग) जुईकर प्रतीक चंद्रशेखर एवं आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने भी श्रमदान में भाग लेते हुए काष्ठदारु का पौधारोपण किया। वहीं, स्थानीय नागरिकों ने भी सक्रिय रूप से श्रमदान में सहभागिता दिखाकर अभियान को सफल बनाया। इस अवसर पर सी-फार स्वयंसेवी संस्था सहित अन्य सामाजिक संगठनों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।

भाजपा के जयपुर उत्तर के तीनों स्तंभ एक साथ, सुप्रीम गैस एजेंसी में दिखा जनसमर्थन

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। कस्बे के खोरा रोड स्थित सुप्रीम गैस एजेंसी में जिला प्रभारी व जिला अध्यक्ष और जिला महामंत्री का भव्य सम्मान किया गया। जानकारी अनुसार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के जयपुर उत्तर जिले के शीर्ष नेतृत्व ने गुरुवार को मनोहरपुर स्थित सुप्रीम गैस एजेंसी का दौरा किया। इस दौरान पार्टी के तीनों मुख्य चेहरे एक साथ नजर आए, जिसे राजनीतिक हलकों में एक अहम घटना के रूप में देखा जा रहा है। इस कार्यक्रम में सुरेश सैनी (जिला अध्यक्ष, भाजपा जयपुर उत्तर), सतवीर यादव (जिला प्रभारी, भाजपा जयपुर उत्तर) और हेमंत कुमार निर्मल (जिला महामंत्री, भाजपा जयपुर उत्तर) की मौजूदगी ने कार्यक्रम की गरिमा को बढ़ा दिया। इन तीनों का एक साथ दिखना पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए उत्साहवर्धक रहा। मनोहरपुर इलाके की चर्चित सुप्रीम गैस एजेंसी इस दौरान जनसंपर्क का प्रमुख केंद्र बन गई। एजेंसी के प्रबंधक इन्द्र और अमित ने नेताओं का स्वागत किया। नेताओं ने एजेंसी के कार्यों की सराहना की और साथ ही उपभोक्ताओं से सीधा संवाद किया। इस दौरान सुरेश सैनी ने कहा, "हमारा उद्देश्य जनता की सेवा करना और उनकी समस्याओं का निस्तारण करना है। ऐसे सीधे संवाद से जमीनी हकीकत का पता चलता है।" वही सतवीर यादव ने कहा, "पार्टी प्रत्येक कार्यकर्ता और नागरिक के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने के लिए प्रतिबद्ध है।" हेमंत कुमार निर्मल ने कहा, "जयपुर उत्तर में भाजपा की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना हमारी प्राथमिकता है।"

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		**पानी के लिए**	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड बाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

शहर की समस्याओं के लिए पाली विधायक के साथ कांग्रेस नेताओं ने दिया ज्ञापन

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। पाली आगमन पर स्वायत्त शासन मंत्री एवं जिला प्रभारी मंत्री झाबरसिंह खर्रा को सर्किट हाउस में समीक्षा बैठक के दौरान पाली विधायक भीमराज भाटी एवं पाली शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष व पूर्व नेता प्रतिपक्ष हकीम भाई के नेतृत्व में पूर्व पार्षदों एवं कांग्रेसजनों ने ज्ञापन सौंपकर पाली शहर की ज्वलंत जनसमस्याओं के समाधान तथा नवम्बर 2024 से लंबित पड़े पाली नगर निगम के चुनाव अतिशीघ्र कराने की मांग की उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा चलाये जा रहे शहरी सेवा शिविर ऊंट के मुँह में जीरे के समान मिल रहा है लाभ मिल रहा है जो कोई मायने नही रखता पाली की ज्वलंत जनसमस्याएं जस की तस बनी हुई है। बजट के अभाव में खस्ताहाल सड़कें, उजाड़ पड़े सार्वजनिक उधान, नई स्ट्रीट लाइट, गढ्डों का पेचवर्क, सहित सीवरेज समस्या, जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान हेतु ड्रेनेज सिस्टम के लिए जिला प्रशासन द्वारा भेजे गए प्रस्ताव जो लम्बित पड़ा है। नवरात्रि ओर दीपावली पर्व होने के बावजूद सड़कों पर पेचवर्क नही किया जा रहा है। सड़कों पर गड्ढ़े होने के कारण सड़क सड़क दुर्घटनाओं में इजाफा हुआ है। नवरात्रि एवं दीपावली त्यौहार को देखते हुए पेचवर्क कार्य करवाकर आमजन को राहत प्रदान कराने की मांग की। तथा जर्जर हालत में पड़े बांडी नदी पुल के लिए तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने जनभावनाओं के अनुरूप बजट 2023 - 24 में फोरलेन पुल निर्माण के लिए 35 करोड़ रुपये स्वीकृत किये थे। लेकिन वर्तमान सरकार ने अभी तक वित्तीय स्वीकृति प्रदान नही की है। जनहित में निवेदन है कि तत्काल प्रभाव से बांडी नदी पुल के लिए वित्तीय स्वीकृति जारी कराने की मांग की। वंही नगर निगम ऑडिटोरियम हॉल आगजनी में स्वाहा हो गया है। वर्तमान में हॉल वीरान पड़ा है। हॉल के मरम्मत जारी नही किया है। इस दौरान मेहबूब भाई टी, डॉ. रमेश चावला, प्रकाश चौहान, ताराचन्द चन्दनानी, इंसाफ मोयल, निर्मल तेजी, दिनेश पंवार, जीसान रंगरेज, प्रमोद सुखाड़िया, मकसूद चूडीघर, हसन भाटी, रिजवान चढ़वा, दिनेश परमार, इमरान तंवर, अशफाक सहित कई लोग

इनरव्हील क्लब द्वारा नशा मुक्ति सेमिनार का आयोजन

बारां (रॉयल पत्रिका)। इनरव्हील क्लब बारां की ओर से एक जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें बालक-बालिकाओं को धूम्रपान एवं नशे के दुष्परिणामों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों व युवाओं को नशे जैसी बुरी आदतों से दूर रहकर स्वस्थ और उज्ज्वल भविष्य की ओर प्रेरित करना था। क्लब की अध्यक्षा नीतू गुप्ता के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में बच्चों को नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक नुकसान के बारे में सरल भाषा में समझाया गया। इस अवसर पर क्लब कोऑर्डिनेटर उर्मिला जैन भाया ने बताया कि नशा केवल व्यक्ति को ही नहीं बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है, इसलिए सभी को मिलकर इसके खिलाफ कदम बढ़ाना होगा। इस अवसर पर मिर्जापुर स्कूल के प्रिंसिपल नरेश राठौर ने बताया कि नशे ली लत इंसान के शरीर को तो खोखला कर देता हैं लेकिन उसका पूरा परिवार इसके दुष्परिणामों का शिकार होता हे। सेमिनार में 300 बालक बालिकाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में मृदुला मारू, बिंदु मारू, शिल्पा गर्ग तथा त्रिशला जैन ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए बच्चों को प्रेरणादायक संदेश दिए। क्लब की सेक्रेटरी सीमा सिंह ने नशामुक्त समाज की परिकल्पना पर अपने विचार साझा किए और बच्चों से नशे को "ना" कहने का संकल्प दिलवाया। अंत में सभी सदस्यों ने एकमत होकर नशा मुक्त भारत बनाने का संकल्प लिया और बच्चों को स्वस्थ जीवन जीने के लिए प्रेरित किया।

प्रोफेसर मोहम्मद नईम फ़लाही नियुक्त किए गए मिल्लत चैरिटेबल ट्रस्ट कोटा के सरपरस्त

कोटा (रॉयल पत्रिका)। मिल्लत चैरिटेबल ट्रस्ट ने पूर्व संयुक्त शासन सचिव (उच्च शिक्षा विभाग) राजस्थान सरकार और प्रोफेसर मोहम्मद नईम फ़लाही को अपने सरपरस्त के रूप में नियुक्त किया है। प्रोफेसर नईम एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद्, समाजसेवी और समुदाय के हित में वर्षों से कार्यरत व्यक्तित्व हैं। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में अपनी सेवाओं के साथ-साथ सामाजिक उत्थान के लिए अनेक प्रयास किए हैं। ट्रस्ट की कार्यकारी समिति एवं सदस्यों ने सर्वसम्मति से उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी है। कोटा संभाग में रहने वाले मुस्लिम समाज के शैक्षणिक व सामाजिक विकास एवं मानव सेवा के उद्देश्य से मिल्लत चैरिटेबल ट्रस्ट का गठन किया गया है। इस ट्रस्ट का मुख्य उद्देश्य समाज में स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी को दूर करना तथा शिक्षा एवं मानव सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करना है। ट्रस्ट द्वारा MCT Clinic & Diagnostic Centre kota के माध्यम से समाज को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। इसके द्वारा समाज के कमजोर और वंचित तबके को सुलभ और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रहीं हैं। आशा है प्रोफेसर नईम को सरंक्षक बनाए जाने से ट्रस्ट को न केवल मार्गदर्शन मिलेगा, बल्कि उनके अनुभव और सामाजिक सरोकारों से ट्रस्ट की गतिविधियों को और मजबूती मिलेगी। इस अवसर पर ट्रस्ट के चेयरमैन हाजी खलील अहमद, उपाध्यक्ष अब्दुल सलीम अब्बासी, जनरल सेक्रेटरी हाजी हयात खान,कोषाध्यक्ष इमाम हुसैन मंसूरी, डॉ.आबिद, सुल्तान एवं कार्य कारिणी सदस्यों ने प्रोफेसर नईम का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई है कि उनके संरक्षण में ट्रस्ट नई ऊँचाइयों को छुएगा।

केन्द्रीय रेल मंत्री वैष्णव रहे पाली दौरे पर

हेमावास में चूड़ी व्यवसाय, लधु उधोग कुल्हड बनाने व सेवा समिति में किया सिलाई प्रशिक्षण का किया अवलोकन

पाली (रॉयल पत्रिका)। केन्द्रीय रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव गुरूवार को जिले के संक्षिप्त दौरे पर रहे। रेल मंत्री वैष्णव प्रातः पाली के रेलवे स्टेशन पहुंचे जहां उनका जनप्रतिनिधियों व अधिकारीगण ने अगवानी व स्वागत किया। इस अवसर पर रेल मंत्री ने स्टेशन का निरीक्षण किया और वहां पर लगी प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस अवसर पर उन्होंने मीडीया से बात करते हुये कहा कि पाली से जालोर से होकर पाली दिल्ली के लिये भविष्य में ट्रेन प्रारंभ होगी साथ ही स्टेशन का भी जल्द ही कायाकल्प होगा। इसके बाद वे पाली के सर्किट हाउस पहुचे जहां उन्होंने जिले के जनप्रतिनिधियों से मुलाकात की व चर्चा की। इस अवसर पर जिला प्रभारी मंत्री झाबर सिंह खर्रा, सांसद पी पी चौधरी, मारवाड विधायक केसाराम चौधरी, आईजी जोधपुर, पूर्व विधायक ज्ञानचंद पारख, जिला कलक्टर एलएन मंत्री,जिला पुलिस अधीक्षक आदर्श सिंद्, पूर्व सभापति महेन्द्र बोहरा अतिरिक्त जिला कलक्टर अश्विनी के पंवा, रेलवे के अधिकारी गण, प्रधान मंगलाराम देवासी, सुनील भंडारी, त्रिलोक चौधरी, पुखराज पटेल आदि मौजूद रहे।

हेमावास में चूडी व्यवसाय का अवलोकन किया व महिलाओं से संवाद किया-

इसके बाद रेल मंत्री हेमावास पहुंचे वहां पर उन्होंने चूडी बनाने के व्यवसाय का अवलोकन किया और वहां इस कार्य में लगे परिवार जनो से मिले और चर्चा की। इस अवसर पर उन्होंने हेमावास में नीचे बैठ कर महिलाओं से संवाद कर आत्मनिर्भर बनने के बारे जाना। इस अवसर पर वहां जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी व ग्रामीणजन मौजूद रहे। लघु उधोग भारती में चाय के कुल्हड बनाने का अवलोकन किया और सराहा घोष्णा की रेलवे में इनका उपयोग लिया जायेगा। इसके बाद रेल मंत्री वैष्णव नया गांव रीको एरिया में लघु उधोग भारती गये जहां पर उन्होंने कुल्हड बनाने की प्रक्रिया मशीन व कुल्हडो को देखा और कहा कि इनकी क्वालिटी अच्छी है और इससे परम्परागत लधु उद्योग को बढावा मिलेगा। उन्होंने वहा घोषणा कि पाली में बने कुल्हड का उपयोग रेलवे में किया जायेगा। उन्होंने इस अवसर पर वहां कार्य कर रहे कामगारों से भी बातचीत की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्र सरकार की भी मंशा है कि स्वरोजगार, स्कील डवलपमेंट, महिला सशक्तिकरण में अधिक से अधिक लोग आगे बढे इसके लिये विभिन्न योजनाओं के माध्यम से प्रयास किया जा रहा है। इस अवसर पर सभी जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों सहित, उधोग केन्द्र महाप्रबन्धक रज्जाक अली, उद्योग भारती में विनय बम्ब, रवि मोहन, राहुल मेहता, महेन्द्र तातेड, नरपत सिंह सोलंकी गणमान्यजन आदि वहां मौजूद रहे।

सेवा समिति में सिलाई प्रशिक्षण , मेहन्दी , ब्यूटीपार्लर का अवलोकन किया-

इसके बाद वे सेवा समिति गये जहां उन्होंने आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया और वहां महिलाओ के सिलाई प्रशिक्षण ,साधन रोजगार आय, मेंहदी का कार्य, ब्यूटी पार्लर के कार्य को देखा और इस माध्यम से आ रहे उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव के बारे मे जानकारी ली। कार्यक्रम में उन्होंने महिलाओ से बातचीत कर जानकारी ली और वहां बन रहे बैग को देखा और उसे सराहा और कहा कि ये अच्छी क्वालिटी का है ये अनेक उपयोग में लिया जा सकता है। इस अवसर पर उन्होनें कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये कहा कि सभी जगह का चूडी का सिकोरे का काम देखा और यहां पर सिलाई आदि का कार्य देखा और बहुत अच्छा लगा। उन्होंने कहा ये सारे काम हम अपने घर से कर सकते है। साथ ही कहा कि पाली के स्टेशन का नवनिर्माण करेगे और उसे बहुत सुन्दर बनायेगे उन्होंने इस अवसर पर उसके डिजाईन का चित्र भी दिखाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्र सरकार महिला सशक्तिकरण पर बल दे रही है उन्होंने अनेक जनकल्याकारी योजनाओं की जानकारी भी दी। इस अवसर पर कार्यक्रम को अन्य वक्ताओं ने भी सम्बोधित किया और पूर्व विधायक पारख ने वहां चल रही गतिविधियों की जानकारी दी। इस अवसर पर स्कील व रोजगार मंत्री के के विश्नोई, सांसद पी पी चौधरी, पूर्व विधायक ज्ञानचंद पारख, पूर्व सभापति महेन्द्र बोहरा, सुनील भंडारी, सेवा समिति के प्रमोद जैथलिया और अन्य पदाधिकारी व त्रिलोक चौधरी, पुखराज पटेल महिलाये आदि मौजूद रहे।

भाजपा ने किया पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर "आत्मनिर्भर भारत एवं हर घर स्वदेशी" कार्यक्रम का शुभारंभ

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य पर मनाए जा रहे सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत आज जिला कार्यालय पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर आत्मनिर्भर भारत एवं हर घर स्वदेशी कार्यक्रम का शुभारंभ किया। जिला प्रवक्ता सुरेन्द्र शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में देवस्थान बोर्ड के अध्यक्ष राज्य मंत्री ओमप्रकाश भड़ाना उपस्थित रहे, कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर ने की। कार्यक्रम के शुभारंभ पर पूर्व जिलाध्यक्ष सुरेश जैन, पूर्व जिला प्रमुख पृथ्वीराज मीणा, जिला महामंत्री जगदीश अग्रवाल, बाबूलाल मीणा, जिला उपाध्यक्ष सत्यनारायण धाकड़ मंचासिन रहे। जिलाध्यक्ष मानसिंह ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जीवनी पर प्रकाश डाला और उनकी उपलब्धियों के बारे में बताया। मुख्य अतिथि राज्य मंत्री ओमप्रकाश भड़ाना ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय हमारी पार्टी के संस्थापक थे उनका ध्येय था कि स्वदेशी एवं लघु उद्योगों के आधार पर भारत का निर्माण हो, उन्होंने एकात्मकता और मानववाद का संदेश पूरे देश को दिया, अंतोदय योजना के तहत अंतिम छोर तक बैठे व्यक्ति को सरकार की योजनाओं का लाभ मिले ये उनकी पहली प्राथमिकता थी, और आज भाजपा उनके लिए हुए निर्णयों को पूरा करने में निरंतर कार्यरत है। इस दौरान भाजपा के जिला उपाध्यक्ष हरिओम गर्ग, लालचंद गौतम, मीरा सैनी, जिला प्रवक्ता सुरेन्द्र शर्मा, गीता सैनी, मंडल अध्यक्ष कपिल जैन, मनीष गोयल, ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष बनवारी जाट, बलवीर सिंह राजावत, मुकेश शर्मा, हरचरण सिंह, शुभम भारद्वाज, कृष्णा गुप्ता, ओम प्रकाश शर्मा,रामकिशन शुक्ला एवं बनवारी बंसल आदि भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

युवा कांग्रेस ने सड़क की मरमत की वाहनों का आना-जाना हुआ सुगम

रतननगर (रॉयल पत्रिका)। चूरू से रतननगर मुख्य सड़क पर बने जानलेवा गड्ढे से आमजन को बहुत सी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। जिला प्रशासन व नगर पालिका प्रशासन को बार-बार अवगत करवाया गया लेकिन प्रशासन ने कोई सुनवाई नही की शाम को युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष आसिफ खान एवं उनके साथियों ने मिलकर सड़क की मरम्मत की प्रशासन एवं आमजन में एक संदेश दिया वाहनों को एवं आमजन को राहत प्रदान की वाहन एवं गाड़ी चालकों ने कार्य को सहराया। आसिफ खान ने बताया कि साथियों के साथ सड़क की मरम्मत करवाई व आमजन को राहत प्रदान की।

तिगरिया मोड के कुछ ही दुरी पर जी आई सी विद्यालय परिसर में स्वं.लालचंद यादव की 7वीं पुण्यतिथि मनाई

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। ग्राम पंचायत तिगरिया- निवाना के स्थित जीआईसी विद्यालय परिसर में स्वं. लालचंद यादव की सातवीं पुण्यतिथि के अवसर पर स्वैच्छिक विशाल रक्तदान शिविर एवं निं. शुल्क नेत्र रोग शिविर तथा प्रतिभाओं का सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम के आयोजन सरपंच जनप्रतिनिधि ग्राम पंचायत देवथला, पूर्व जिला परिषद सदस्य एवं विश्व यादव परिषद के प्रदेश महासचिव हनुमान सहाय दुसाद ने बताया कि इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि में गोविंदगढ़ थाना अधिकारी विनोद सांखला रहे। इस कार्यक्रम में संबोधित करते थाना अधिकारी विनोद सांखला कहां की रक्त ऐसा है समय पर रक्त मिलने एक्सीडेंट दुर्घटना के समय पर अगर रक्त नहीं मिलता है तो उनका जीवन लीला खत्म हो जाती है इसलिए ऐसे कार्यक्रम रक्तदान एक महादान है इसमें सभी लोगों को बढ़ चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। इस कार्यक्रम में विश्व यादव परिषद के प्रदेश अध्यक्ष रामदेव यादव जयपुर जिला देहात के जिला अध्यक्ष डॉक्टर जगदीश प्रसाद खातोदिया, कोषाध्यक्ष भीम सिंह ठोठवाल, उपाध्यक्ष बंशीधर मंडल, जिला के मीडिया भगवान सहाय खातोदिया, चौमूं यादव समाज के तहसील अध्यक्ष सुभाष डागर, अध्यक्ष महामंत्री महासभा जयपुर के शंकर कलालिया तथा युवा नेता आरएलपी के छुट्टन यादव, पूर्व प्रधान भगवान सहाय धासिंल, महिला जयपुर जिला के अध्यक्ष वंदना यादव, पूर्व जिला अध्यक्ष श्याम शर्मा, बाल जी काकोडिया निर्माण समिति के अध्यक्ष, सरपंच जनप्रतिनिधि त्रिलोक लोछिप, पवन चोपड़ा, डॉ. सुषमा यादव, हरिराम यादव प्रधानाचार्य, डॉक्टर रामनारायण यादव, डॉक्टर हनुमान बराला, डॉ. भुपेश यादव, पूर्व सरपंच व सरपंच संघ बाबूलाल यादव, पूर्व सरपंच नंदकिशोर यादव, युवा नेता ललित राजोरिया के उपाध्यक्षसहित जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम के आयोजन हनुमान सहाय दुसाध ने बताया कि 7 वीं स्वं. लाल चंद यादव की पुण्यतिथि के अवसर पर आए हुए अतिथियों ने तस्वीर पर पुष्प चढ़कर श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद यह कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधि द्वारा प्रतिभाओं, रक्तदाताओं गौशाला के सेवकों को दुपट्टा राधा कृष्ण की तस्वीर देखकर सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम में रक्तदान शिविर के दौरान 609 यूनिट रक्त संग्रहण हुआ। इस कार्यक्रम के दौरान सभी डॉक्टर जनप्रतिनिधि संस्थाओं के प्रधानाध्यापक दूर दराज से आए हुए ग्रामीणों सहित सैकड़ो लोग उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का मन संचालक एंकर आर कुमावत ने किया।

शिक्षक दंपति ने नवरात्र में विद्यालय के छात्र-छात्राओं को करवाया भोजन

रतनगढ़ (रॉयल पत्रिका)। शिक्षक दंपति अमरसिंह किशनावत व श्रीमती मनीषा चारण के द्वारा गुरुवार को रा.उ. मा.वि. गौरीसर के छात्र-छात्राओं को नवरात्रि के पावन पर्व पर भोजन करवाया गया। जिसमें छात्र-छात्राओं को लड् व सब्जी-पूरी परोसे गए। सर्व प्रथम प्रधानाचार्य सीताराम मायल के द्वारा नौ कन्याओं को भोजन परोसकर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। बाद में सभी बच्चों को भोजन परोसा गया। प्रधानाचार्य ने शिक्षक दंपति के इस पूनीत कार्य की सराहना की । इस अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित था ।

नापला से प्रधानमंत्री का आह्वान- स्वदेशी खरीदें

-बारां में 238 नवनियुक्त कार्मिकों को जिला कलक्टर ने सौंपे नियुक्ति पत्र

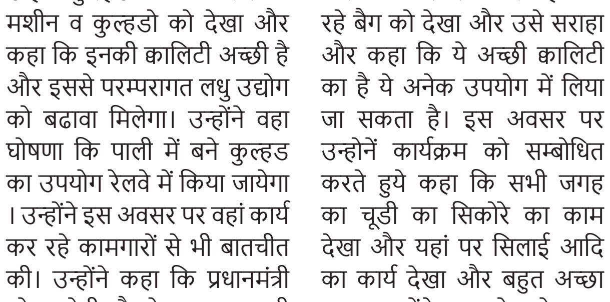

बारां (रॉयल पत्रिका)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को बांसवाड़ा जिले के नापला में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि आत्मनिर्भर भारत का रास्ता स्वदेशी के मंत्र से होकर जाता है। उन्होंने देशवासियों से आह्वान किया कि "हम जो भी खरीदेंगे, स्वदेशी ही खरीदेंगे।" पीएम ने दुकानदारों से भी अपील की कि वे केवल स्वदेशी उत्पाद ही बेचें। प्रधानमंत्री ने समारोह में राजस्थान की 1 लाख 22 हजार 670 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। इसमें 42 हजार करोड़ की लागत से बनने वाली 2800 मेगावाट की माही बांसवाड़ा परमाणु विद्त परियोजना प्रमुख रही। एक अन्य ट्रेन के साथ ही उन्होंने राजस्थान के जोधपुर और बीकानेर से दिल्ली कैंट तक चलने वाली दो नई वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने विभिन्न विभागों और संगठनों में चयनित 15 हजार युवाओं को प्रतीकात्मक तौर पर नियुक्ति पत्र सौंपे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राजस्थान तेजी से प्रगति कर रहा है। राजस्थान सौर ऊर्जा उत्पादन में देश में पहले स्थान पर पहुंच चुका है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में सरकारी भवनों पर रूफ टॉप सोलर संयंत्र लगाए जा रहे हैं जिससे स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में राजस्थान और मजबूती से आगे बढ़ेगा। राज्य स्तरीय कार्यक्रम का वर्चुअल माध्यम से सीधा प्रसारण जिला मुख्यालय बारां स्थित जिला परिषद सभागार में किया गया। इस अवसर पर जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने 238 नवचयनित कार्मिकों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इनमें 101 पशु परिचर, 27 कनिष्ठ लिपिक, 55 कनिष्ठ अनुदेशक, 11 अध्यापक लेवल-2, 9 वरिष्ठ अध्यापक, 34 कनिष्ठ अभियंता और एक छात्रावास अधीक्षक शामिल हैं। इस अवसर पर जिला परिषद सीईओ राजवीर सिंह चौधरी, एसडीएम विश्वजीत सिंह, संयुक्त निदेशक पशुपालन सुबोध दामोदर माटे, जनप्रतिनिधि सहित अन्य अधिकारी एवं नव चयनित कार्मिक उपस्थित रहे।

वरिष्ठ कथाकार श्याम जांगिड़ को चुन्नीलाल सोमानी राजस्थानी कथा पुरस्कार 2025 प्रदान किया जाएगा

मोहम्मद अली पठान

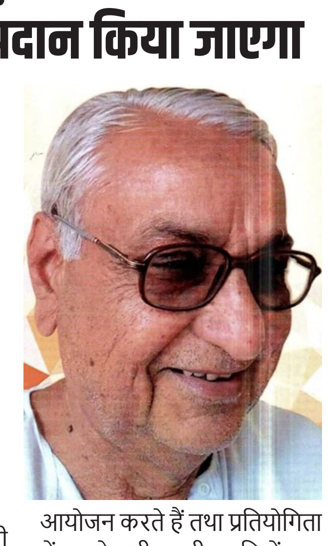

चूरू/झुंझुनूं/ (रॉयल पत्रिका)। चुन्नीलाल सोमानी राजस्थानी कथा पुरस्कार 2025 इस बार राजस्थानी भाषा के वरिष्ठ कथाकार श्याम जांगिड़ को उनके कथा-संग्रह "नेम धरम" पर प्रदान किया जाएगा। इस आशय की घोषणा गुरुवार को उद्योगपति राधाकृष्ण सोमानी ने की। उल्लेखनीय है कि प्रति वर्ष पुरस्कृत कृति के लेखक के सम्मान में एक विशद समारोह का आयोजन कर उन्हें शॉल, श्रीफल, प्रशस्तिपत्र के साथ इकतीस हजारे रुपये की राशि प्रदान की जाती है। पुरस्कार का निर्णय तीन वरिष्ठ राजस्थानी लेखकों के द्वारा किया जाता है। उल्लेखनीय है कि कथाकार श्याम जांगिड़ हिन्दी एवं राजस्थानी दोनों भाषाओं में विगत पांच दशक से लेखन कर रहे है। राजस्थानी में उनके तीन कथा संग्रह प्रकाशित हैं। वहीं हिन्दी मे कहानी, उपन्यास, यात्रा संस्मरण की अनेक कृतियां प्रकाशित हैं। उनके द्वारा रचित उपन्यास भी खूब चर्चित रहे हैं। उनकी कहानियां पाठ्यक्रम में भी शामिल रही हैं। पुरस्कार समिति के संयोजक डॉ. चेतन स्वामी ने बताया कि इनलैंड सोमानी फांउडेशन विगत छह वर्षों से यह पुरस्कार प्रदान कर रहा है। फांउडेशन के लक्ष्मी नारायण सोमानी राजस्थानी भाषा के विकास में राजस्थानी कहानी का विशेष योगदान मानते हैं, इसलिए कथा प्रतियोगिता का आयोजन करते हैं तथा प्रतियोगिता में आनेवाली सभी कृतियों का सम्पूर्ण मूल्य चुकाया जाता है। यह पुरस्कार समारोह अगले दिनों में भव्य ढंग से आयोजित किया जाएगा।

श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया

रतननगर (रॉयल पत्रिका)। स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा अन्तर्गत नगरपालिका के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं स्वच्छता सैनानियों, सफाई मित्रों, नरेगा श्रमिकों एवं आमजन द्वारा खेल मेदान में श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया गया। अधिशाषी अधिकारी भरत गौड़ ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार चलाये जा रहे शहरी सेवा शिविर अभियान के दौरान रतननगर के विभिन्न स्थानों पर श्रमदान कर विभिन्न स्थानों की साफ-सफाई की गई। इस दौरान वहां फैले कचरे को एकत्रित कर जलाया गया वहीं खरपतवार हटाई जाकर रास्तों को सुगम बनाया गया। इस दौरान पार्षद ओमप्रकाश जांगिड़, असगर खां भग्त, कनिष्ठ अभियंता मुकेश कुमार, कनिष्ठ सहायक मनोहर सिंह, शंकरलाल पूनियां, पीआरओ किशनलाल उपाध्याय, सफाई निरीक्षक बाबुलाल, दुलीचंद, होमेन्द्र सिंह, श्यामसुन्दर शर्मा, विकास भाटिया, आशुतोष उपाध्याय, स्वच्छ भारत मिशन एमआईएस इंजीनियर मोनिका, दीपिका आर्य, चिरंजीव सैनी, रमेश, कृष्ण सिंह उपस्थित रहें।

दशहरा मेले में कव्वाली व मुशायरा कार्यक्रम पुन: शुरू करे नगर निगम

-पार्षद मोहम्मद आसिम ने मेला समिति अध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन

कोटा (रॉयल पत्रिका)। दशहरा मेला समिति द्वारा कव्वाली, ग़ज़ल व अखिल भारतीय मुशायरा कार्यक्रम को बंद करने के फैसले को वापस लेने की मांग को लेकर गुरुवार 25 सितंबर को वेलफेयर पार्टी ऑफ़ इंडिया के एक प्रतिनिधिमंडल ने वार्ड नं 52 कोटा उत्तर से पार्षद मोहम्मद की अध्यक्षता में मेला समिति अध्यक्ष विवेक राजवंशी के नाम उनकी अनुपस्थिति में उनके पी.ए. को ज्ञापन सौंपा। पार्षद मोहम्मद आसिम ने ज्ञापन के माध्यम से बताया कि कोटा शहर का दशहरा मेला गंगा -जमुनी तहज़ीब का केंद्र रहा है जहां भजन, अखिल भारतीय कवि सम्मेलन के साथ-साथ कव्वाली, ग़ज़ल और अखिल भारतीय मुशायरा कार्यक्रम भी होते रहे हैं जिनको बंद करने का फैसला बिल्कुल ग़लत है। उन्होंने ज्ञापन के मांग की कि चूंकि दशहरा मेला नगर निगम की ओर से प्रायोजित किया जाता है और नगर निगम किसी एक वर्ग का ना होकर सभी शहरवासियों का है इसलिए दशहरा मेला में सभी शहरवासियों का ख़याल रखते हुए अखिल भारतीय मुशायरा, ग़ज़ल व कव्वाली कार्यक्रम को दौबारा शामिल किया गया। प्रतिनिधिमंडल में शाहिद कुरैशी,अनवर हुसैन आदि शामिल रहे।

राजस्थान सरकार के सातवें वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरुण चतुर्वेदी ने नेक्स्ट जेनरेशन जीएसटी रिफॉर्म्स को लेकर चर्चा की

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राजस्थान सरकार के 7वें वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरूण चतुर्वेदी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा किये गये नेक्ट जेनरेशन जीएसटी रिफॉर्म्स को लेकर चूरू के स्थानीय व्यापारियों एवं आमजन से सम्पर्क कर जीएसटी में हुऐ सुधारो के बारे में चर्चा की। सर्वप्रथम डॉ. चतुर्वेदी, विघायक हरलाल सहारण, जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा, प्रदेश कोषाध्यक्ष पंकज गुप्ता, जिला प्रमुख वन्दना आर्य, राष्ट्रिय परिषद् सदस्य ओम सारस्वत ने मण्डल कार्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हे श्रद्वासुमन अर्पित की। इससे पूर्व आज चूरू पहुचने पर डॉ. चतुर्वेदी का पूर्व नेताप्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ के चूरू आवास पर विधायक हरलाल सहारण, जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा, विधानसभा संयोजक पदमसिंह राठौड सहित भाजपा कार्यकर्ताओ ने स्वागत किया। इस अवसर पर सभी नेताओं ने चूरू के मुख्य बाजार में व्यापारियों से जीएसटी रिफॉर्म्स के बारे में चर्चा की जिसपर स्थानीय व्यापारी प्रतिनिधियों ने इस कदम को ऐतिहासिक एवम् जनकल्याण के लिए उठाया हुआ कदम बताया। इस अवसर पर बोलते हुऐ वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरूण चतुर्वेदी ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय योजना के निर्माणकर्ता थे। उनका मन्तव्य आमजन के हित के लिए काम करना था। वे शासन की नितियों को आमजन तक पहुचाने के पक्षधर थे। वे मां भारती के सच्चे लाल थे। जिनका समर्पण देश की एकता व अखण्डता के लिए था। उन्होने एकात्म मानववाद के रूप में जो विचार व्यक्त किये वे आज भी प्रासांगिक है। इस अवसर पर उन्होने स्थानीय व्यापारियों से जीएसटी रिफॉर्म्स की चर्चा करते हुऐ कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार ने यह जो जीएसटी रिफॉर्म्स की धोषणा की है अपने आप में ऐतिहासिक कदम है। इसके लिए पुरा देश उनके प्रति आभार प्रकट करता हैं। उन्होने कहा कि विश्व में आज भारत चोथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और आने वाले समय में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रही है। इसके लिए यह जीएसटी रिफॉर्म्स मील का पत्थर साबित होगे। इस अवसर पर विधायक हरलाल सहारण एवं जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा , प्रदेश कोषाध्यक्ष पंकज गुप्ता, राष्ट्रिय परिषद् सदस्य ओम सारस्वत, जिला प्रमुख वन्दना आर्य, नेताप्रतिपक्ष विमला गढ़वाल ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री अभिषेक चोटिया ने किया इस अवसर पर कार्यक्रम के जिला संयोजक व जिला उपाध्यक्ष भास्कर शर्मा, नरेन्द्र काछवाल, उपजिला प्रमुख महेन्द्र न्यौल, सादुलपुर प्रधान विमला पूनियां, प्रधान दीपचन्द राहड़, मण्डल अध्यक्ष सुरेश सारस्वत, धर्मेन्द्र राकसिया, फतेहचन्द सोती, जिला मंत्री प्रभा धंधावत, दीनदयाल सैनी, भाजयुमो जिलाध्यक्ष गोपाल बालाण, दौलत तंवर, चन्द्रप्रकाश शर्मा, रजत शर्मा, आकाश सैनी, ओमसिंह शेखावत, शोभा चौधरी सजना माहिचा,चेतराम सहारण, सोहन सहारण, श्रीराम पीपलवा, पार्षद भागीरथ सैनी, ममता जोशी, कपील चंदेल, असलम डायर, हिमांशू वर्मा, रवि आर्य, रमेश शर्मा, सुरेश मिश्रा, राजीव शर्मा, गोगराज सैनी, नितिन बुन्देला, सुनील भाउवाला, अमर मोरानी, विमल सारस्वत सहित अनेक कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित रहे।

चूरू में खाद्य सुरक्षा टीम ने 4 नमूने लिए, 40 किलो मावा नष्ट करवाया

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशानुसार जिले में 'शुद्ध आहार - मिलावट पर वार' अभियान के तहत आमजन को जागरूक करने के लिए खाद्य सुरक्षा टीम की ओर से अभियान चलाया गया। सीएमएचओ डॉ. मनोज शर्मा ने बताया कि व्यापारियों को शुद्ध खाद्य सामग्री बेचने के लिए पाबंद किया गया। उन्होंने बताया कि खाद्य सुरक्षा टीम ने चूरू में मैसर्स महावीर मिष्ठान भंडार से मावा, औंकार नमकीन भंडार से पाम ऑयल, शाम मिष्ठान भंडार से मावा व राजलक्ष्मी मिष्ठान भंडार से चाय का नमूना लिया। इसी के साथ चूरू में मैसर्स महावीर मिष्ठान भंडार से 40 किलोग्राम दूषित मावा नष्ट करवाया गया। उन्होंने बताया कि मैसर्स मोटेल हवेली का प्रकरण न्यायालय में पेश किया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी मदन बाजिया ने बताया कि नमूनों को प्रयोगशाला जयपुर में जांच के लिए भिजवाया गया है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम, 2006 के अंतर्गत अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

चूरू में रेलवे स्टेशन पर वंदे मातरम ट्रेन का भव्य स्वागत किया गया

-हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर वंदे मातरम एक्सप्रेस बीकानेर से चलकर चूरू पहुंचने पर सांसद राहुल कस्वा एवं विधायक हरलाल सहारण और सैकड़ो की तादाद में चूरू की जनता ने भव्य स्वागत किया भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं में बड़ा ही उत्साह देखने को मिला है। जहां वंदे मातरम,भारत माता की जय कारों के साथ ही गाड़ी को दिल्ली के लिए रवाना किया। चूरू रेलवे स्टेशन पर कई कार्यक्रम रखे गए स्कूल की छात्रों ने नृत्य किया अवदेश भक्ति के गीत गुनगुनाए गए रेलवे स्टेशन पब्लिक से खचाखच भरा रहा। भाजपा जिला अध्यक्ष बसंत,शर्मा ओम सारस्वत, जिला प्रमुख वंदना आर्य, प्रधान दीपचंद राहड, अध्यक्ष अभिषेक चोटिया, जाकिर के के आदि। वहीं पर कांग्रेस के रियाजत खान, जमील चौहान, असलम खोखर, युवा जिला अध्यक्ष आसिफ खान, सोहेल खान, दीपिका सोनी आदि काफी संख्या में उपस्थित रहे। और ट्रेन वंदे मातरम को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने किया शहरी सेवा शिविर का अवलोकन

-लाभार्थियों को वितरित किए दस्तावेज

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। सेवा पखवाड़े के अंतर्गत किशनगढ़ नगर परिषद के द्वारा आयोजित किए जा रहे शहरी सेवा शिविर 2025 का बुधवार को मुख्यमंत्री दिया कुमारी द्वारा अवलोकन किया गया। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी बुधवार को अजमेर जिले के दौरे पर रही। उनके द्वारा सेवा पखवाड़े के दौरान किशनगढ़ नगर परिषद के माध्यम से आयोजित किए जा रहे शहरी सेवा शिविर का अवलोकन किया गया। उन्होंने विभिन्न विभागों कि स्टॉल पर जाकर अधिकारियों एवं लाभार्थियों के साथ संवाद किया। जिला कलक्टर लोक बन्धु ने शिविर के माध्यम से किए जा रहे कार्यों एवं प्रगति से अवगत कराया। उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश प्रदान किया। शहरी क्षेत्र में निवास करने वाले व्यक्तियों के कार्य शिविरों में प्राथमिकता से होने चाहिए। इसके लिए अग्रिम तैयारी करनी आवश्यक है। वित्तीय समावेशन शिविरों से सम्बन्धित कार्य भी इस दौरान करने के लिए बैंकर्स की सेवाएं ली जाए। फ्लैगशिप योजनाओं से जुड़े कार्य भी करवाएं। शहरी सेवा शिविर में विभिन्न लाभार्थियों को कृषि क्षेत्र के पट्टे वितरित किए। धारा 69 ए के अंतर्गत व्यक्तियों को लाभान्वित कर दस्तावेज सौंपे गए। इसी प्रकार क्षत्रिय फूल माली पंचायत तथा ब्रह्म भट्ट राव समाज समिति के पदाधिकारियों को भी पट्टे दिए गए। उनके पट्टे लंबे समय बाद शिविरों के माध्यम से बन पाए। इसी प्रकार व्यक्तिगत श्रेणी के पट्टे भी सम्बन्धितों को प्रदान किए गए। उप मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को 1.5-1.5 लाख की राशि के चैक सौंपे। लाडा देवी, अजय किराणीया, ओम प्रकाश एवं बिदामी देवी चैक पाकर बहुत खुश हुए। मुख्यमंत्री स्वनिधि योजना के लाभार्थी मंजु पंवार एवं तरूण साहू को 10-10 हजार रूपये दिए गए। लाडो प्रोत्साहन योजना के संकल्प पत्र अभिभावकों को दिए गए। इसी प्रकार 3 बालिकाओं के बेटी जन्मोत्सव मनाकर केक काटे गए। बालिकाओं का अन्न प्राशन संस्कार तथा गर्भवती महिलाओं की गोद भराई उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी द्वारा किए गए। उन्होंने नगर परिषद की महिला पार्षदों के साथ विचार-विमर्श भी किया।

जीएसटी प्रणाली के न्यू रिफार्म (जीएसटी 2.0) जीएसटी बचत उत्सव के दौरान विभिन्न कार्यक्रम आयोजन

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। भारत सरकार द्वारा जीएसटी प्रणाली के न्यू रिफार्म (जीएसटी 2.0) के तहत जीएसटी कर दरों में कमी का लाभ आम उपभोक्ताओं तक पहुँचाने के उद्देश्य से राज्य सरकार के निर्देशानुसार जीएसटी बचत उत्सव का आयोजन 22 से 29 सितम्बर तक किया जा रहा हैं। वाणिज्यिक कर विभाग द्वारा व्यापारिक वर्ग एवं आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन के सहयोग से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री दिया कुमारी द्वारा किशनगढ़ में पुरानी मिल से पहाडिया चौराहे तक पदयात्रा की गई। इसमें विभाग के अतिरिक्त आयुक्त (प्रशासन) पूरण सिंह राठौड़ तथा वृत्त किशनगढ़ की उपायुक्त शारदा यादव अपने वृत्त कार्यालय के सहायक आयुक्त के साथ सम्मिलित हुए। इसके अतिरिक्त वृत्त बी के उपायुक्त मेहराज अहमद द्वारा अजमेर के टायर, सीमेण्ट और किराना ट्रेड व्यवसायियों के साथ संवाद किया गया। साथ ही वृत सी के उपायुक्त एच. के. जी. कविया द्वारा श्रीनगर कस्बे के व्यवसायियों से संवाद कार्यक्रम किया गया। इसके साथ ही आमजन और व्यापारी वर्ग को जागरूक करने के लिए राज्य सरकार द्वारा आयोजित ग्राम एवं शहरी सेवा शिविर के अन्तर्गत 24 सितम्बर को नगर परिषद कार्यालय, किशनगढ़ में आए प्रतिभागियों को जीएसटी बजट उत्सव के बारे में समझाया गया। रोजमर्रा की वस्तुओं में कर कटौती का लाभ उपभोक्ताओं को दिए जाने के लिए दुकानदारों एवं व्यवसायियों ने पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। रोजमर्रा की वस्तुओं के सस्ती होने पर उपभोक्ताओं द्वारा खुशी व्यक्त की गई। व्यवसायिओं एवं उपभोक्ताओं को जीएसटी 2.0 रिफॉर्म के बारे में लगभग जानकारी हैं तथा बाजारों में उत्साह का माहौल हैं।

प्रभारी मंत्री ने जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की

-व्यापारियों से किया संवाद, जीएसटी बचत उत्सव से संबंधित पोस्टर का किया विमोचन

चित्तौड़गढ़ (रॉयल पत्रिका)। जिले की प्रभारी मंत्री मंजू बाघमार ने बुधवार को जिला परिषद के ग्रामीण विकास अभिकरण सभागार में व्यापारियों से संवाद स्थापित किया, बजट घोषणाओं एवं फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की तथा जीएसटी बचत उत्सव से संबंधित पोस्टर का विमोचन किया। प्रभारी मंत्री बाघमार ने जिला परिषद सभागार में आयोजित संवाद कार्यक्रम में व्यापारियों से चर्चा करते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा हाल ही में जीएसटी की दरों में कमी से आमजन को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि इससे व्यापारियों का कारोबार भी सुगम होगा तथा उपभोक्ताओं को भी राहत मिलेगी। उन्होंने व्यापारियों से आग्रह किया कि वे सरकार की इस पहल को आमजन तक पहुंचाने में सहयोग करें। इस अवसर पर उन्होंने जीएसटी बचत उत्सव से संबंधित दो पोस्टर का विमोचन किया। इस अवसर पर एसजीएसटी विभाग चित्तौड़गढ़ के सहायक आयुक्त संतोष कुमार शर्मा ने पीपीटी प्रस्तुत कर बताया कि हाल ही में जीएसटी कर दरों में की गई कटौती से व्यापारियों व उपभोक्ताओं दोनों को राहत मिलेगी। कर का बोझ कम होने से बाजार में रौनक बढ़ेगी और अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी। संवाद के दौरान व्यापारियों ने भी अपने सुझाव दिए। संवाद कार्यक्रम में विधायक चंद्रभानसिंह आक्या, जिला प्रमुख गब्बर सिंह अहीर, रतनलाल गाडरी, हर्षवर्धन, गौरव त्यागी, वसीम खान, रघु शर्मा, व्यापार मंडल के सदस्य सहित बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित रहे।

बजट घोषणाओं एवं फ्लैगशिप योजनाओं की समीक्षा-

इसके उपरांत प्रभारी मंत्री मंजू बाघमार ने ग्रामीण विकास अभिकरण सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक में बजट घोषणाओं तथा फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति की विस्तार से जानकारी ली।

सोलर दीदियों को मिलेगी नई उड़ानरू राजीविका

डूंगरपुर (रॉयल पत्रिका)। राजीविका एवं ईईएसएल (ईईएसएल) के सयुक्त तत्वाधान में जोधपुर होटल के प्रथम तल पर बुधवार को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ गणपति के तस्वीर के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य राजीविका की सोलर दीदीयों के माध्यम से राज्य में ऊर्जा दक्षता के साथ सोलर दीदीयों की आमदनी बढ़ाना हैं। राजीविका और ईईएसएल के मध्य डन् हुआ हैं जिसके अंतर्गत राजस्थान में सोलर दीदियो द्वारा ऊर्जा दक्षता बढ़ाने के साथ आमजन में सोलर ऊर्जा का प्रचार प्रसार किया जाना हैं। कार्यशाला में राजीविका जिला परियोजना प्रबंधक मोतीलाल मीणा ने राजीविका द्वारा नये केडर के रूप में सोलर दीदी के कार्यों के महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सोलर ऊर्जा से चलने वाले उपकरणों का विक्रय करके उसका आप घर बैठे लाभ प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए आयोजित किए जाते हैं, जिससे सोलर ऊर्जा के उपकरणों का विक्रय कर आर्थिक रूप से सशक्त आर्थिक रूप से सशक्त बने। उन्होंने बताया कि इस प्रकार की कार्यशाला के माध्यम से भविष्य में प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर सोलर दीदियो का समूह बनाकर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के कार्य किए जाएंगे।

महात्मा गांधी विद्यालय नंबर 2 में जागरूकता कार्यशाला आयोजित

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर डॉ. मंजू एवं जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के नेतृत्व में जारी नशा मुक्त श्रीगंगानगर अभियान के तहत महात्मा गांधी विद्यालय नंबर 2 में नशे के खिलाफ जागरूकता के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के विक्रम ज्याणी ने बताया गया कि आज के समय में नशा हर माता-पिता के लिए पहली बड़ी चुनौती बन चुका है। भ्रमित दृष्टिकोण के कारण युवा वर्ग नशे को आनंद का साधन मानने लगा है, जबकि हकीकत यह है कि नशा मजा नहीं बल्कि सजा है। बच्चों को जागरूक करने के लिए विभिन्न उदाहरण दिए गए तथा अखबारों की ताज़ा खबरों और तस्वीरों के माध्यम से दिखाया गया कि नशे ने किस प्रकार परिवारों और समाज में त्रासदी को जन्म दिया है। विद्यार्थियों को सही दिशा में मार्गदर्शन देना हम सबकी जिम्मेदारी है। समापन पर सभी विद्यार्थियों ने हाथ उठाकर शपथ ली कि मैं न कभी नशा करूँगा, न किसी को करने दूँगा। हर विद्यार्थी को एक विशेष नशा मुक्ति सुरक्षा कवच बैज प्रदान किये गये। विद्यार्थियों ने संकल्प लिया कि वे इस को हर दिन विद्यालय में पहनकर आयेंगे ताकि यह उन्हें हर दिन उनके कर्तव्य की याद दिलाता रहे।

विशेष रूप से सक्षम बच्चों में विजेता प्रतिभागियों को एडीजे ने पुरस्कार वितरित कर किया लाभान्वित

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के द्वारा विधिक चेतना अभियान 2025 के अवसर पर विशेष योग्यजनों के बीच खेलकूद प्रतियोगिता करवाये जाने के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव रवि प्रकाश सुथार (अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश) श्रीगंगानगर की अध्यक्षता में जिला श्रीगंगानगर के लालगढ़ जाटान के पीएमश्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, लालगढ़ जाटान ब्लॉक, सादुलशहर मं् बुधवार को जिला स्तर पर विशेष रूप से सक्षम बच्चों के मध्य खेलकूद व अन्य गतिविधियों में प्रतियोगिताएं आयोजित करवाई जाकर विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार के तौर पर नकद राशि के साथ मेडल व प्रमाण पत्र वितरित किये गये। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव रवि प्रकाश सुथार (अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश) श्रीगंगानगर ने बताया कि विशेष रूप से सक्षम बच्चों एवं समाज में उनके प्रति विधिक जागृति के क्रम में सरकारी व गैर सरकारी संस्थानों में 08 से 18 वर्ष की आयु या मानसिक मंदता में 18 वर्ष से अधिक आयु बच्चों के मध्य खेलकूद व अन्य गतिविधियों का आयोजन जिला स्तर पर बुधवार को किया गया। जिला स्तर पर विजेता प्रतिभागी संभाग स्तर पर आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं में भाग लेंगे और संभाग स्तर पर विजेता प्रतिभागी राज्य स्तर पर आयोजित प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपने स्कूल व अपने परिवार का नाम रोशन करेंगे। विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित करने के दौरान पीएमश्री राजकीय विद्यालय के प्रधानाचार्य बलजिन्द्र सिंह, अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक अरविन्द्र सिंह तथा शिक्षा विभाग से भूपेन्द्र कुमार स्वामी जिला समन्वयक, समावेशी शिक्षा श्रीगंगानगर, बलदेव अनेजा, विनोद कुमार सहप्रभारी व कोच गंगाविशन, गुरतेज सिंह उपस्थित रहे।

सेवा शिविर से पहुंच रहा अंतिम व्यक्ति तक लाभ

-भरतपुर जिला प्रभारी मंत्री नगर निगम के शिविर में 276 लाभार्थियों को मौके पर मिली राहत

भरतपुर (रॉयल पत्रिका)। जल संसाधन मंत्री एवं भरतपुर जिला प्रभारी मंत्री सुरेश सिंह रावत ने शहरी सेवा शिविर का नगर निगम कार्यालय में निरीक्षण कर 276 लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं के स्वीकृति पत्र एवं पट्टे जारी किये। उन्होंने आमजन को सम्बोधित करते हुए कहा कि शहरी एवं ग्रामीण सेवा शिविर आमजन के लिए समस्या निराकरण और योजनाओं का लाभ लेने का बड़ा माध्यम है। उन्होंने शिविर का अवलोकन करते हुए कहा कि ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविरों का उद्देश्य अंतिम छोर तक सरकारी योजनाओं को पहुंचाना है, ताकि जन-जन को पारदर्शी एवं सुगम सेवाएं उपलब्ध हो सकें। उन्होंने शिविर का अवलोकन करते हुए उपस्थित आमजन से उनकी समस्याओं एवं सेवाओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविरों के माध्यम से सरकारी योजनाओं का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार किया जाए तथा आमजन को विभिन्न सेवाओं का त्वरित लाभ सुनिश्चित किया जाए। भरतपुर जिला कलक्टर कमर चौधरी ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप शिविरों में मौके पर आमजन को राहत देते हुए समस्याओं का निराकरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सभी विभाग योजनाओं के पात्र व्यक्तियों एवं क्षेत्र विशेष की लम्बित समस्याओं को सूचीबद्ध कर शिविर में जाते हैं जिससे अधिक से अधिक लोगों को मौके पर राहत दी जा सके। इस दौरान जिला प्रभारी मंत्री ने मंगलवार को भरतपुर कलक्ट्रेट सभागार में सेवा शिविरों की प्रगति, विकास कार्यों एवं बजट घोषणाओं की समीक्षा बैठक भी की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप सभी विभाग बजट घोषणाओं एवं फ्लैगशिप योजनाओं को समय पर पूरा करते हुए प्रगतिरत कार्यों की नियमित मॉनिटिंग करें।

'निशानची' में रिंकू के किरदार में हो रही वेदिका पिंटो की चर्चा

अनुराग कश्यप की फिल्म 'निशानची' रिलीज हो चुकी है। फिल्म को लेकर काफी चर्चा हो रही है। अब रिलीज के बाद भी दर्शकों से फिल्म को मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। फिल्म के रिलीज होने के बाद अब मुख्य अभिनेता ऐश्वर्य ठाकरे के अलावा अगर किसी की सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है, तो वो हैं वेदिका पिंटो। वेदिका 'निशानची' की हीरोइन हैं।

बचपन से डांस में थी रुचि

मुंबई में एक ईसाई परिवार में जन्मीं वेदिका पिंटो के पिता जॉनी पिंटो एक हिंदी फिल्म बिजनेस एसोसिएट थे और मां बैंकर हैं। वेदिका को शुरू से ही एक्टिंग और डांस में रुची थी। स्कूल के समय में उन्होंने कई नेशनल और इंटरनेशनल डांस प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन से ग्रेजुएशन किया है।

म्यूजिक वीडियो 'लिग्गी'से मिली पहचान

बॉलीवुड में एंट्री से पहले वेदिका कुछ एक म्यूजिक वीडियो में नजर आई हैं। वेदिका को पहचान 2019 में आए ऋत्विज के म्यूजिक वीडियो 'लिग्गी' से मिली। यह गाना काफी पसंद किया गया इसके बाद वो अरमान मलिक के गाने 'बस तुझसे प्यार हो' में भी नजर आईं।

'ऑपरेशन रोमियो' से की बॉलीवुड में शुरुआत

कई ऑडिशन देने के बाद वेदिका को पहली फिल्म मिली साल 2022 में, जब वो नीरज पांडे द्वारा निर्मित 'ऑपरेशन रोमियो' में नजर आईं। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी। इसके बाद वो आदित्य रॉय कपूर और मृणाल ठाकुर की फिल्म 'गुमराह' में नजर आईं। यह फिल्म भी कुछ खास नहीं रही।

सोशल मीडिया पर एक्टिव हैं वेदिका

वेदिका सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। वो अपने इंस्टाग्राम पर अक्सर अपनी फोटोज शेयर करती रहती हैं। इंस्टाग्राम पर वेदिका के 2 लाख 53 हजार से अधिक फॉलोअर्स हैं।

'निशानची' में वेदिका ने निभाया है डांसर का किरदार

'निशानची' वेदिका पिंटो की तीसरी फिल्म है। इस फिल्म में वेदिका ने रिंकू का किरदार निभाया है, जो एक डांसर है। फिल्म में वेदिका के अभिनय की काफी तारीफ भी हो रही है। अनुराग कश्यप ने भी हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान वेदिका के अभिनय की तारीफ की थी। अब देखना ये है कि क्या 'निशानची' वेदिका के करियर में मील का पत्थर साबित होगी या नहीं?

नेशनल टीवी पर शादी करेंगी अविका गौर

टीवी की दुनिया में 'बालिका वधू' से घर-घर में पहचान बना चुकीं अभिनेत्री अविका गौर इन दिनों अपने बॉयफ्रेंड के साथ शो पति, पत्नी और पंगा में नदजर आ रही हैं। अवीका अब अपनी जिंदगी का सबसे खास अध्याय शुरू करने जा रही हैं। दरअसल अविका अपने मंगेतर मिलिंद चंदवानी के साथ 30 सितंबर को शादी के बंधन में बंधेंगी। खास बात यह है कि उनकी ये शादी केवल परिवार और दोस्तों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि पूरी दुनिया इसे नेशनल टेलीविजन पर देख पाएगी।

अविका ने किया कन्फर्म

अविका ने इस खुशी को साझा करते हुए कहा कि अभी भी उन्हें यकीन नहीं हो रहा कि यह सब सच में हो रहा है। एचटी सिटी से बातचीत में उन्होंने कहा, कभी-कभी सुबह उठते ही खुद को याद दिलाना पड़ता है कि यह सपना नहीं, बल्कि मेरी जिंदगी का हकीकत है। मैं खुद को बेहद भाग्यशाली मानती हूं कि मुझे मिलिंद जैसा साथी मिला, जो न केवल मेरा समर्थन करते हैं बल्कि मुझे आगे बढ़ने की प्रेरणा भी देते हैं। शो में शादी करने के पीछे का आइडिया 28 साल की अविका ने अपनी शादी को नेशनल टेलीविजन पर दिखाने का फैसला यूं ही नहीं लिया। उन्होंने कहा कि साल 2008 से वो लगातार लोगों के सामने रही हैं और दर्शकों से उन्हें हमेशा बेहिसाब प्यार और दुआएं मिली हैं। यही वजह है कि उन्होंने चाहा कि उनके चाहने वाले भी इस सफर का हिस्सा बनें। उन्होंने मुस्कुराते हुए याद किया कि बचपन में अक्सर कहा करती थीं कि या तो उनकी शादी कोर्ट में होगी, जिसके बारे में किसी को पता भी नहीं चलेगा या फिर इतनी बड़ी होगी कि पूरा देश जश्न में शामिल होगा। अब जाकर उनका वो सपना साकार हो रहा है।

परिवार का रिएक्शन

अविका ने बताया कि परिवार की बात करें तो इस फैसले को सुनकर सभी बेहद खुश हैं। अविका ने कहा, जब शादी का निमंत्रण सेट पर पहली बार दिखाया गया तो मां भावुक हो गईं। शादी के कार्ड अभी आधिकारिक रूप से बांटे नहीं गए हैं। परिवार का कहना है कि पहले वो सिद्धिविनायक मंदिर जाकर भगवान का आशीर्वाद लेंगे, उसके बाद ही कार्ड बांटे जाएंगे। शादी के लुक को लेकर अविका ने साफ कहा है कि वो पारंपरिक अंदाज ही अपनाएंगी। उन्होंने बताया कि उनके लिए लाल रंग सबसे खास है और वो अपनी शादी में केवल लाल जोड़ा ही पहनेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि मेहमानों से उन्होंने हल्के रंगों के कपड़े पहनने को कहा है ताकि उनकी ब्राइडल ड्रेस अलग और खास लगे।

शादी में कौन-कौन होगा शामिल?

अविका की मानें तो उनके कुछ करीबी दोस्त जैसे हर्ष लिंबाचिया, भारती सिंह, जन्नत जुबैर और अली गोनी शूटिंग शेड्यूल के चलते शादी में शामिल नहीं हो पाएंगे, लेकिन सभी ने उन्हें वीडियो संदेश और शुभकामनाएं भेजी हैं। अविका ने भावुक होकर बताया कि नागार्जुन, अनुपम खेर और महेश भट्ट जैसे दिग्गज कलाकारों ने भी उन्हें आशीर्वाद भेजा है।

एक मशहूर किरदार की वजह से नई पहचान बनाने के लिए करनी पड़ी मशक्कत

1998 में, जब करण जौहर की फिल्म कुछ कुछ होता है सिनेमाघरों में आई, तो इसने न सिर्फ शाहरुख खान और काजोल की जोड़ी को नई बुलंदिया दी, बल्कि एक नन्हीं सी बच्ची को भी घर-घर में मशहूर कर दिया। यह बच्ची थी सना सईद, जिसने छोटी अंजलि का किरदार निभाकर दर्शकों के दिलों में अपनी मासूम मुस्कान और प्यारे डायलॉग के साथ जगह बना ली। सना सईद ने महज 8 साल की उम्र में कुछ कुछ होता है में अंजलि का किरदार निभाया। इस फिल्म में उनकी मासूमियत ने दर्शकों को दीवाना बना दिया। कहानी में अंजलि अपनी मां की डायरी के जरिए अपने पिता (शाहरुख खान) को उनकी खोई हुई दोस्त से मिलाने की कोशिश करती है। सना का यह किरदार कहानी का एक अहम हिस्सा था, जिसने न सिर्फ फिल्म को भावनात्मक गहराई दी, बल्कि सना को लाखों दिलों में बसने का मौका भी दिया।

बचपन में मिली इस कामयाबी ने सना को रातों रात स्टार बना दिया, लेकिन यह स्टारडम एक दोधारी तलवार साबित हुआ। सना की मासूम छवि इतनी गहरी थी कि लोग उन्हें उसी रूप में देखना चाहते थे। जैसे-जैसे वह बड़ी हुईं, यह छवि उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती बन गई। सना ने बतौर बाल कलाकार 'हर दिल जो प्यार करेगा' और 'बादल' जैसी फिल्मों में भी काम किया, लेकिन उनकी असली वापसी हुई 2012 में, जब करण जौहर की ही फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' में उन्होंने एक ग्लैमरस और बोल्ड किरदार निभाया। इस फिल्म में सना ने अपनी नई छवि के साथ दर्शकों को चौंकाया। उनकी स्टाइल, आत्मविश्वास और स्क्रीन प्रेजेंस ने सबका ध्यान खींचा। लेकिन इसके बावजूद, दर्शकों के दिमाग में छोटी अंजलि की छवि अभी भी जस की तस थी। सना ने कई इंटरव्यूज में खुलकर बताया कि अंजलि की पहचान उनके लिए शुरुआत में बोझ बन गई थी। लोग उन्हें सेट्स पर, सड़कों पर, हर जगह अंजलि कहकर बुलाते थे। वह कहती हैं, एक समय था जब मुझे यह सुनकर शर्मिंदगी महसूस होती थी। मुझे लगता था कि लोग मेरे नए काम को देख ही नहीं रहे। यह एक ऐसा दौर था जब सना को अपनी पुरानी छवि से बाहर निकलने के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ा।

सना सईद ने सिर्फ फिल्मों तक खुद को सीमित नहीं रखा। उन्होंने टेलीविजन की दुनिया में भी कदम रखा और बाबुल का आंगन छूटे ना और लो हो गई पूजा इस घर की जैसे धारावाहिकों में काम किया। इसके अलावा, रियलिटी शोज ने उन्हें अपनी बहुमुखी प्रतिभा दिखाने का मौका दिया। झलक दिखला जा, नच बलिए 7 और खतरों के खिलाड़ी 7 में सना ने न सिर्फ अपनी डांसिंग और स्टंट स्किल्स दिखाईं, बल्कि अपनी मजबूत और बिंदास पर्सनैलिटी से दर्शकों को प्रभावित किया। इन शो ने सना को मासूम बच्ची की छवि से बाहर निकालने में मदद की और उन्हें एक आत्मविश्वास से भरी कलाकार के रूप में पेश किया।

समय के साथ सना का नजरिया बदला

उन्होंने महसूस किया कि छोटी अंजलि का किरदार उनके लिए कोई अभिशाप नहीं, बल्कि एक आशीर्वाद था। वह कहती हैं, लोगों का प्यार और उनकी यादें मेरी सबसे बड़ी ताकत हैं। अंजलि ने मुझे वह पहचान दी, जिसके बिना मैं शायद यहां तक नहीं पहुंच पाती। सना ने अपने अतीत को स्वीकार किया और इसे अपनी ताकत बनाते हुए अपने नए सफर को अपनाया। आज सना सईद न सिर्फ एक अभिनेत्री और मॉडल हैं, बल्कि अपनी मेहनत और पैशन से लगातार नई ऊंचाइयां छू रही हैं।

मैं हर उस काम को करना चाहती हूं जो मुझे एक कलाकार के रूप में चुनौती दे

टीवी और फिल्म इंडस्ट्री की जानी-मानी एक्ट्रेस नायरा बनर्जी ने टीवी इंडस्ट्री के थकाऊ वर्क कल्चर पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा, टीवी इंडस्ट्री में 15-15 घंटे की शूटिंग आम बात है, जो बेहद थकाऊ होती है। जब भी मैं कोई नया शो साइन करती हूं, तो पहले ही यह तय कर लेती हूं कि हफ्ते में कम से कम एक दिन की छुट्टी जरूर मिले। मैं चाहती हूं कि काम और जिंदगी के बीच एक संतुलन बना रहे, ताकि ना सिर्फ मेरा प्रोफेशनल काम अच्छा हो बल्कि मेरी पर्सनल लाइफ भी ठीक चले। अगर एक्टर्स को खुद के लिए समय नहीं मिलेगा, तो नतीजे उनके काम और सेहत दोनों पर नजर आएंगे। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह इस समय कोई टीवी शो करना चाहेंगी, तो उन्होंने कहा, हां, लेकिन सिर्फ अपनी शर्तों पर। अगर रोल दमदार हो, शूटिंग की जगह पास में हो जैसे कि फिल्म सिटी, डायरेक्टर अच्छा हो, चैनल भरोसेमंद हो, और मेहनताना ठीक-ठाक हो, तो मैं शो करने के लिए तैयार हूं। उन्होंने कहा कि वह अब समझदारी से प्रोजेक्ट्स चुनती हैं और किसी भी तरह के दबाव में आकर काम नहीं करना चाहतीं। अपने करियर के बारे में बात करते हुए नायरा बनर्जी ने कहा, मैं खुद को लकी मानती हूं क्योंकि मुझे कभी किसी एक छवि में नहीं बांधा गया। इंडस्ट्री में अक्सर एक्टर्स को टाइपकास्ट कर दिया जाता है, लेकिन मैंने टीवी, साउथ इंडियन फिल्म्स और वेब सीरीज तीनों में काम किया है। इसी वजह से मुझे कभी सिर्फ टीवी एक्ट्रेस या साउथ एक्ट्रेस नहीं कहा गया।

मैंने हर मीडियम में काम करके खुद को साबित किया है

नायरा बनर्जी का मानना है कि आज के समय में हर प्लेटफॉर्म की अपनी खास ऑडियंस है। उन्होंने कहा, मुझे एक्टिंग से प्यार है, और मैं हर उस काम को करना चाहती हूं जो मुझे एक कलाकार के रूप में चुनौती दे। चाहे वह वेब सीरीज हो, फिल्म हो या टीवी शो, अगर कंटेंट अच्छा है और किरदार में दम है, तो मैं जरूर उस प्रोजेक्ट को चुनूंगी।

- साभार

कॉफी शॉप में हुई एक मुलाकात ने सनाया ईरानी को बना दिया अभिनेत्री

टीवी की दुनिया में कुछ कलाकार ऐसे होते हैं जिनकी सादगी और मासूमियत दर्शकों को अपना दीवाना बना लेती है। सनाया ईरानी ऐसी ही अभिनेत्री हैं, जिन्हें हम 'गुंजन' (मिले जब हम तुम) और 'खुशी' (इस प्यार को क्या नाम दूं?) जैसे किरदारों से पहचानते हैं।

उनकी सफलता के पीछे कोई बड़ी योजना नहीं थी, बल्कि एक अनचाही मुलाकात और किस्मत के एक छोटे से मोड़ की कहानी है। यह किस्सा बताता है कि कैसे एक कॉफी शॉप में हुई मुलाकात ने एक मॉडल को एक लोकप्रिय अभिनेत्री बना दिया। इस बारे में सनाया ने एक इंटरव्यू में बताया था। 17 सितंबर 1983 को जन्मी सनाया ने अपने करियर की शुरुआत एक मॉडल के रूप में की थी। वह उस समय मॉडलिंग की दुनिया में अपना नाम बनाने के लिए संघर्ष कर रही थीं। एक दिन जब वह अपने दोस्तों के साथ मुंबई के एक कैफे में बैठी थीं, तो एक जाने-माने निर्देशक की नजर उन पर पड़ी। निर्देशक उनके पास आए और कहा कि वह उन्हें अपनी एक फिल्म में लेना चाहते हैं।

सनाया पहले तो हैरान रह गईं क्योंकि उन्होंने कभी एक्टिंग के बारे में सोचा भी नहीं था। फिर भी, उन्होंने निर्देशक की बात मानकर ऑडिशन के लिए हां कर दी। जब वह ऑडिशन देने गईं, तो उन्हें एक भावनात्मक सीन करने के लिए दिया गया, जिसमें उन्हें रोना था। सनाया ने पूरी कोशिश की लेकिन वह रो नहीं पाईं। निराश होकर वह घर वापस आ गईं। उन्हें लगा कि यह मौका उनके हाथ से निकल गया। लेकिन निर्देशक को उनकी मासूमियत और ईमानदार व्यक्तित्व पसंद आ गई थी। उन्होंने सनाया से दोबारा संपर्क किया और उन्हें एक और मौका दिया। इस बार उन्हें रोने के बजाय एक सिंपल सीन दिया गया, जिसे उन्होंने बखूबी निभाया। यह बात शायद कम ही लोग जानते हैं कि सनाया को वह फिल्म नहीं मिली थी, लेकिन इस अनुभव ने उनके लिए एक नया रास्ता खोल दिया। उस निर्देशक ने सनाया को एक्टिंग में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कुछ समय बाद जब एक कास्टिंग डायरेक्टर ने उन्हें टीवी शो मिले जब हम तुम के लिए ऑडिशन देने को कहा, तो उन्हें वह पुराना अनुभव याद आया। उन्होंने ऑडिशन दिया और उन्हें 'गुंजन' का किरदार मिल गया। यह किरदार उनके करियर का टर्निंग प्वाइंट साबित हुआ। टीवी सीरियल के अलावा सनाया ईरानी कई फिल्मों और वेब सीरीज में भी काम कर चुकी हैं। उन्होंने आमिर खान की फिल्म फना में भी एक अहम किरदार निभाया था। वह रियलिटी शो बिग बॉस और झलक दिखलाजा में भी हिस्सा ले चुकी हैं।

अबरार-हसरंगा ने सेलिब्रेशन कॉपी करके एक-दूजे को चिढ़ाया

बॉलर पर भड़के पाकिस्तानी कप्तान, बाउंसर से फखर का हेलमेट टूटा,श्रीलंका की 5 विकेट से हार

अबु धाबी (एजेंसी)। एशिया कप में मंगलवार को पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच सुपर-4 मैच खेला गया, जिसे पाकिस्तान ने 5 विकेट से जीता। इस लो-स्कोरिंग मैच में पाकिस्तानी स्पिनर अबरार अहमद और श्रीलंकाई ऑलराउंडर के बीच जमकर तकरार देखने को मिली। पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा रिव्यू गंवाने के बाद अपने ही गेंदबाज पर भड़क गए। इन सब के बीच दुष्मंथा चमीरा की बाउंसर फखर जमान के हेलमेट पर लगी। इससे उनका हेलमेट टूट गया और उन्हें हेलमेट बदलना पड़ा। ऐसे ही कुछ टॉप मोमेंट्स ने अबु धाबी के शेख जायद स्टेडियम में खेले गए मुकाबले को और रोचक बना दिया था

दसुन शनाका टी-20 इंटरनेशनल 14 बार शून्य पर आउट - श्रीलंकाई बैटर दसुन शनाका टी-20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा 14 बार शून्य पर आउट होने वाले बैटर बन गए हैं। उन्होंने रवांडा के केविन इराकोज (13 बार) का रिकॉर्ड तोड़ा।

कुसल मेंडिस पहली बॉल पर पवेलियन लौटे - अबु धाबी के शेख जायद स्टेडियम में पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया। टॉस हारकर बैटिंग कर रही श्रीलंकाई टीम ने पहले ही ओवर में विकेट गंवा दिया। उसके ओपनर कुसल मेंडिस अपनी पहली बॉल पर पवेलियन लौट गए। उन्हें शाहीन शाह अफरीदी ने तलत हुसैन के हाथों कैच कराया।

अबरार ने हसरंगा को उन्हीं के सेलिब्रेशन से चिढ़ाया

13वें ओवर की पहली बॉल पर अबरार अहमद ने वानिंदू हसरंगा को क्लीन बोल्ड कर दिया। इतना ही नहीं, पाकिस्तानी स्पिनर ने हसरंगा को उन्हें के सेलिब्रेशन से चिढ़ाया। वे अपने दोनों हाथों के कंधे के पास ले गए और मुट् ?ठी बांधकर हिलाते हुए सेलिब्रेट किया। जैसे कि हसरंगा अपने विकेट सेलिब्रेट करते हैं। यहां पर श्रीलंकाई टीम ने छठा विकेट गंवाया। हसरंगा 15 रन बनाकर आउट हुए।

रिव्यू गंवाने के बाद अबरार पर भड़के सलमान

पाकिस्तानियों ने 15वें ओवर की 5वीं बॉल पर चमिका करुणारत्ने के खिलाफ एलबीडब्ल्यू की अपील की, लेकिन फील्ड अंपायर ने इसे नकार दिया। अबरार अहमद के जोर देने के कप्तान सलमान आगा ने रिव्यू मांगा ।रिप्ले देखने से पता चला कि बॉल न तो बल्लेबाज के बैट से लगी और न ही पैड से। वीडियो में दिखा की बॉल करुणारत्ने के हाथ से लगकर उछली थी। ऐसे में पाकिस्तान को विकेट तो नहीं मिला, टीम ने एक रिव्यू जरूर गंवा दिया। ऐसे में कप्तान सलमान अबरार अहमद पर भड़क गए। पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा ने अबरार अहमद के कहने पर रिव्यू लिया था।

पंचकूला में सीएम सैनी ने किया खेल महाकुंभ का शुभारंभ

दूसरे चरण में 10 हजार खिलाड़ी जुटेंगे; पैरालिंपिक पदक विजेताओं को किया सम्मानित

पंचकूला (एजेंसी)। हरियाणा में राज्य स्तरीय खेल महाकुंभ 2025 का दूसरे चरण का बुधवार (24 सितंबर) को सीएम नायब सैनी ने शुभारंभ किया। खेल महाकुंभ 26 सितंबर तक पंचकूला के सेक्टर 3 में स्थित ताऊ देवीलाल खेल स्टेडियम में आयोजित किया जा रहा है। इस दौरान खेल मंत्री गौरव गौतम बतौर विशिष्ठ अतिथि कार्यक्रम में मौजूद रहे। सीएम नायब सैनी ने खेल महाकुंभ के दूसरे चरण के शुभारंभ अवसर पर संबोधित करते हुए कहा कि खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करने के लिए प्रदेश में 1489 खेल नर्सरियां खोली गई हैं। इन खेल नर्सरियों में 37 हजार 225 खिलाड़ी प्रशिक्षण ले रहे हैं। जिसमें 8-14 साल तक के खिलाड़ियों को 1500, 15-19 वर्ष के खिलाड़ियों को 2000 रुपए प्रति माह की सहायता प्रदान की जा रही है। इन खेल नर्सरियों में प्रशिक्षकों को 25 हजार मानदेय दिया जाता है।

- **खिलाड़ियों के लिए 550 पद सृजित** - सीएम नायब सैनी ने कहा कि हमने हरियाणा उत्कृष्ट खिलाड़ी सेवा नियम 2021 बनाकर 550 नए पद सृजित किए हैं। अब तक 224 खिलाड़ियों को विभिन्न श्रेणियों की नौकरी भी दी गई हैं। प्रदेश सरकार के द्वारा अब 641 करोड़ रुपए की इनाम राशि जारी की गई है। उन्होंने कहा- 15 हजार 634 खिलाड़ियों को खेल के उपकरण भी सरकार की तरफ से किए गए प्रदान हैं। गत वर्ष पेरिस पैरालिंपिक में देश ने 29 पदक जीते, जिनमें से 8 पदक हरियाणा के खिलाड़ियों ने जीते थे। पदक जीतने वाले इन खिलाड़ियों को 42 करोड़ रुपए की नकद राशि दी गई है।
- **प्रदेश में हो चुके 5 खेल महाकुंभ** - सीएम नायब सैनी ने कहा कि खेल महाकुंभ की शुरुआत हरियाणा के स्वर्ण जयंती वर्ष 2017 में हुई। अब तक प्रदेश में 5 खेल महाकुंभ का सफल आयोजन हो चुका है। 2 अगस्त से 4 अगस्त तक चले खेल महाकुंभ के 26 खेलों में प्रदेश के कुल 15 हजार 410 खिलाड़ियों ने भाग लिया। आज इसके दूसरे चरण में 9 हजार 959 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। खेल सिर्फ प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं बल्कि यह अनुशासन, समर्पण और आत्मविश्वास की सबसे श्रेष्ठ पाठशाला हैं।

आईसीसी टी-20 रैंकिंग-

भारत चारों कैटेगरी में टॉप पर बरकरार

लगातार दूसरे हफ्ते इंडिया टॉप टीम

- **अभिषेक बैटर, वरुण बॉलर्स, हार्दिक ऑलराउंडर्स में नंबर-1**

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी की बुधवार को जारी हुई टी-20 वीकली रैंकिंग में लगातार दूसरे हफ्ते भी बैटर, बॉलर और ऑलराउंडर तीनों कैटेगरी में भारतीय खिलाड़ी टॉप पर बरकरार हैं। यहां तक कि टी-20 टीम रैंकिंग में भी भारतीय टीम टॉप पर मौजूद है।

पिछले सप्ताह ही सभी चारों कैटेगरी में भारत का दबदबा बना था। ऐसा पहली बार हुआ कि एक ही टीम और उसके खिलाड़ियों ने किसी एक फॉर्मेट की सभी चार कैटेगरी में नंबर-1 स्थान हासिल किया।

वरुण चक्रवर्ती टी-20 रैंकिंग में नंबर-1 बॉलर बने हुए हैं। बैटर अभिषेक शर्मा नंबर-1 पर बरकरार हैं। वहीं, ऑलराउंडर्स में हार्दिक पंड्या टॉप पर हैं।

अभिषेक शर्मा टॉप पर बरकरार - बैटर्स में भारतीय ओपनर अभिषेक शर्मा अपना पहला स्थान बरकरार रखा है। उन्होंने ओमान के खिलाफ भारत के अंतिम ग्रुप स्टेज के मुकाबले में 38 और रविवार को पाकिस्तान के 74 रन की पारी खेली थी। उनके अलावा, तिलक वर्मा एक स्थान ऊपर चढ़कर तीसरे स्थान पर पहुच गए हैं।

टी-20 बैटर्स रैंकिंग

रैंक	प्लेयर	टीम	पॉइंट्स
1	अभिषेक शर्मा	भारत	907
2	फिल सॉल्ट	इंग्लैंड	844
3	तिलक वर्मा	भारत	791
4	जोस बटलर	इंग्लैंड	785
5	ट्रैविस हेड	ऑस्ट्रेलिया	771
6	सूर्यकुमार यादव	भारत	729
7	पाथुम निसांका	श्रीलंका	728
8	टिम साइफर्ट	न्यूजीलैंड	725
9	टिम डेविड	ऑस्ट्रेलिया	676
10	डेवाल्ड ब्रेविस	साउथ अफ्रीका	674

टी-20 ऑलराउंडर्स रैंकिंग

रैंक	प्लेयर	टीम	पॉइंट्स
1	हार्दिक पंड्या	भारत	238
2	मोहम्मद नबी	अफगानिस्तान	231
3	सिकंदर रजा	जिम्बाब्वे	212
4	दीपेंद्र सिंह ऐरी	नेपाल	209
5	सईम अयूब	पाकिस्तान	201
6	रोस्टन चेज	वेस्टइंडीज	196
7	वनिंदू हसरंगा	श्रीलंका	190
8	रोमारियो शेफर्ड	वेस्टइंडीज	183
9	लियम लिविंगस्टन	इंग्लैंड	181
10	मार्कस स्टोयनिस	ऑस्ट्रेलिया	179

वरुण चक्रवर्ती टॉप बॉलर

बॉलर्स रैंकिंग में वरुण चक्रवर्ती टॉप पर बने हुए हैं। 34 साल के इस स्पिनर का एशिया कप में अच्छा प्रदर्शन जारी है। फिलहाल उनका रेटिंग पॉइंट 747 हो गया है। वरुण ने पिछले सप्ताह ही नंबर-1 पोजीशन हासिल की थी। दूसरे नंबर पर न्यूजीलैंड के जैकब डफी हैं। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान छह स्थान की छलांग लगाकर टॉप-10 में वापस आ गए हैं। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने एशिया कप में अपने पिछले दो मैचों में छह विकेट लिए हैं।

ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में पंड्या पहले नंबर पर

भारतीय स्टार हार्दिक पंड्या टी-20 इंटरनेशनल ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में पहले नंबर पर बने हुए हैं। जबकि पाकिस्तान के अबरार अहमद 12 स्थान ऊपर चढ़कर चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं। फिलहाल उनकी रेटिंग पॉइंट्स 703 है।

आईसीसी ने यूएसए क्रिकेट को किया सस्पेंड

टी-20 वर्ल्ड कप और एलए 2028 ओलिंपिक में अमेरिकी टीमें खेलती रहेंगी

नईदिल्ली (एजेंसी)। यूएसए क्रिकेट (यूएसएसी) को नियम तोड़ने की वजह से आईसीसी (इंटरनेशनल क्रिकेट) ने निलंबित कर दिया है। इसका मतलब है कि यूएसएसी अब आईसीसी की पूर्ण सदस्यता के अधिकारों का उपयोग नहीं कर पाएगा। हालांकि, अमेरिका की क्रिकेट टीमें आईसीसी के टूर्नामेंट और 2028 ओलिंपिक की तैयारियों में हिस्सा ले सकेंगी। आईसीसी अब यूएसएसी को सुधार करने का मौका देगा और इसकी निगरानी करेगा, ताकि भविष्य में निलंबन हटाया जा सके। यह कदम क्रिकेट को अमेरिका में और मजबूत करने और इसकी छवि को बेहतर बनाने के लिए उठाया गया है।अमेरिका ने पिछले साल टी-20 वर्ल्ड कप के कुछ मैचों की मेजबानी की थी।

टीम पर क्या असर पड़ेगा

- आईसीसी ने साफ किया कि निलंबन का असर अमेरिकी टीम की भागीदारी पर नहीं पड़ेगा।
- फरवरी 2026 में भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप में अमेरिका की टीम खेल सकेगी।
- लॉस एंजिलिस 2028 ओलंपिक में भी अमेरिका की पुरुष और महिला टीमें हिस्सा ले पाएंगी।
- आईसीसी अस्थायी रूप से अमेरिकी राष्ट्रीय टीमों के प्रबंधन और संचालन की जिम्मेदारी खुद संभालेगा।
- निलंबन खत्म करने के लिए अमेरिका क्रिकेट को क्या करना होगा

इसीलिए हुआ निलंबन

- आईसीसी ने एसएसी को पहले 2024 की वार्षिक आम बैठक में गैर-अनुपालन के लिए नोटिस पर रखा था। इ्स्ट को अपनी कमियों को सुधारने के लिए 12 महीने का समय दिया गया था। जुलाई 2024 में आईसीसी सदस्यों ने एसएसी को 'नोटिस' पर बनाए रखने और स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव कराने तथा शासन सुधार करने का निर्देश दिया था। आईसीसी के अनुसार, यूएसएसी पर इन कारणों से लगाया गया है बैन।
- प्रशासनिक ढांचे की कमी- यूएसएसी एक कार्यात्मक शासन संरचना लागू करने में विफल रहा।
- यूएस ओलिंपिक और पैरालंपिक समिति के साथ राष्ट्रीय शासी निकाय का दर्जा प्राप्त करने में प्रगति की कमी। यूएसएसी ने इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाए।
- क्रिकेट की छवि को नुकसान- एसएसी के कुछ कदमों ने अमेरिका और वैश्विक स्तर पर क्रिकेट की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाया।

दिग्गज अंपायर 'डिकी' बर्ड का हुआ निधन

तीन वर्ल्ड कप फाइनल में की थी अंपायरिंग

नईदिल्ली (एजेंसी)। बेहद लोकप्रिय और महान अंपायर हेरोल्ड 'डिकी' बर्ड का 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया। बर्ड ने 1973 और 1996 के बीच अपने लंबे करियर में 66 टेस्ट और 69 एकदिवसीय मैचों में अंपायरिंग की थी। अंपायर के तौर पर बर्ड का आखिरी टेस्ट 1996 में लॉर्ड्स में भारत और इंग्लैंड के बीच खेला गया था। इसी मैच में पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ और सौरव गांगुली ने टेस्ट प्रारूप में पदार्पण किया था।

यॉर्कशर काउंटी क्लब ने यहां जारी बयान में कहा, ''यॉर्कशर काउंटी क्रिकेट क्लब को बड़े दुख के साथ यह घोषणा करनी पड़ रही है कि क्रिकेट के सबसे चहेते लोगों में से एक हेरोल्ड डेनिस 'डिकी' बर्ड एमबीई ओबीई का 92 वर्ष की आयु में अपने घर पर निधन हो गया। उन्होंने कहा, '' वह अपने पीछे खेल भावना, विनम्रता और खुशी की विरासत के साथ कई पीढ़ियों के प्रशंसकों की एक फौज छोड़ गये हैं। बर्ड का यॉर्कशर के साथ लंबे समय तक जुड़ाव रहा। उन्होंने 1956 में इस काउंटी के साथ अपने प्रथम श्रेणी करियर की शुरुआत की और 1964 में करियर समाप्त होने तक 93 मैचों में 3,314 रन बनाए। इसमें दो शतक भी शामिल हैं।

क्लब ने कहा, ''इस समय यॉर्कशर काउंटी क्रिकेट क्लब में हर किसी की संवेदनाएं डिकी के परिवार और दोस्तों के साथ हैं। क्लब में सभी लोग उन्हें बहुत याद करेंगे क्योंकि उन्होंने यहां सभी के समर्थन में अविश्वसनीय रूप से बहुत समय बिताया। उन्हें यॉर्कशर के इतिहास के सबसे महान इंसान में से एक के रूप में याद किया जाएगा। बर्ड को 1986 में क्रिकेट में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए एमबीई और 2012 में ओबीई से सम्मानित किया गया था।

उन्होंने हमवतन दिवंगत डेविड शेफर्ड (2009 में निधन) के साथ मैदान पर अंपायरिंग की खास जोड़ी बनाई। बर्ड अपने फैसलों की सटीकता और अपनी खास आदतों के कारण दर्शकों और खिलाड़ियों दोनों के बीच काफी लोकप्रिय थे।

वैभव सूर्यवंशी ने तोड़ा सर्वाधिक छक्कों का रिकॉर्ड, शानदार 70 रनों की पारी में लगाए 6 छक्के

ब्रिस्वेन (एजेंसी)। भारत के 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी अंडर-19 मैच में दर्शकों को मैदान पर खींच ला रहे हैं। आईपीएल 2025 के बाद सूर्यवंशी ने 24 सितंबर को ब्रिस्बेन के इयान हीली ओवल में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दूसरे यूथ वनडे में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। ऐसा करते हुए उन्होंने अंडर-19 क्रिकेट वन-डे में किसी भारतीय द्वारा सर्वाधिक छक्के लगाने का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

पिछला रिकॉर्ड भारत के अंडर-19 विश्व कप 2012 विजेता कप्तान उन्मुक्त चंद के नाम था, जिन्होंने 38 छक्के लगाए थे। भारतीय सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन क्रमशः 30 और 22 छक्कों के साथ इस सूची में दूसरे स्थान पर हैं। वहीं इस बाएं हाथ के बल्लेबाज सूर्यवंशी के अब 10 मैचों में 41 छक्के हो गए हैं। वह एकदिवसीय क्रिकेट में लगभग 13 गेंदों पर एक छक्का लगाते हैं।

मैच में सूर्यवंशी ने धीमी शुरुआत के बाद तेज गति पकड़ी। पिछले मैच में 33 रनों की छोटी पारी खेलने के बाद सूर्यवंशी की शुरुआत धीमी रही क्योंकि उनके सलामी जोड़ीदार और कप्तान आयुष म्हात्रे दो गेंदों पर शून्य पर आउट हो गए। सूर्यवंशी ने चौथे ओवर में अपना पहला चौका लगाया। एक समय वह 29 गेंदों पर 10 रन बनाकर खेल रहे थे।

नौवें ओवर में जॉन जेम्स को मैदान पर उतारा गया और सूर्यवंशी ने उन्हें बैकवर्ड स्क्वेयर लेग पर छक्का जड़ा। 12वें ओवर में सूर्यवंशी ने हेडन शिलर की गेंद पर दो छक्के लगाए।

मप्र-मिनी ब्राजील में 4 पीढ़ियां फुटबॉलर, 5 बच्चे जाएंगे जर्मनी

शहडोल के प्लेयर्स को विदेशी कोच देंगे ट्रेनिंग; मां बोलीं- हम खुश, बेटा हवाईजहाज में बैठेगा

भोपाल (एजेंसी)। म.प्र.शहडोल के विचारपुर गांव के 5 खिलाड़ी जर्मनी में फुटबॉल की ट्रेनिंग लेंगे। इनमें 3 लड़के और 2 लड़कियां शामिल हैं। मध्य प्रदेश के 'मिनी ब्राजील' कहे जाने वाले विचारपुर गांव के 5 खिलाड़ी जर्मनी में फुटबॉल की ट्रेनिंग लेंगे। 2 अक्टूबर को ये सभी भोपाल से दिल्ली के लिए रवाना होंगे और वहां से जर्मनी जाएंगे। इनके साथ महिला कोच भी रहेंगी। जो खिलाड़ी सिलेक्ट हुए हैं, उनमें 3 लड़के और 2 लड़कियां शामिल हैं। दरअसल, शहडोल जिले के आदिवासी बाहुल्य गांव विचारपुर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मिनी ब्राजील नाम दिया है। करीब 800 की आबादी वाले इस गांव में 60 नेशनल फुटबॉल प्लेयर्स हैं। पीएम मोदी ने सबसे पहले रेडियो प्रोग्राम मन की बात में विचारपुर का जिक्र किया था। उसके बाद अमेरिकी पॉडकास्ट होस्ट लेक्स फ्रीडमैन से बातचीत के दौरान भी यहां के खिलाड़ियों के बारे में बताया। पीएम के बार-बार विचारपुर का जिक्र करने के बाद जर्मनी के फुटबॉल कोच डायटमार बेयर्सडॉर्फर ने यहां के 5 बच्चों को प्रशिक्षण देने की इच्छा जताई थी।

ग्राम पंचायत के ग्राउंड पर प्रैक्टिस करते हैं - विचारपुर गांव में न तो फुटबॉल का कोई स्टेडियम है, न ही कोई फुटबॉल सिखाने वाली एकेडमी। यहां के बच्चे गांव के बुजुर्गों को देखकर ही फुटबॉल खेलना सीखे हैं। सीनियर कोच अनिल सिंह रेलवे में नौकरी करते हैं।

वे कहते हैं कि जब भी समय मिलता है, बच्चों को फ्री ट्रेनिंग देने आता हूं। इसी तरह इस गांव से निकले 10-12 कोच हैं, जो यहां बच्चों को ट्रेनिंग देने आते हैं। मैंने खुद भी

पंचायत के इस ग्राउंड में प्रैक्टिस की है। मेरा 3 साल का बेटा भी यहीं खेलता है। वो चौथी पीढ़ी का खिलाड़ी है। अनिल सिंह बताते हैं कि गांव के मुरलीधर कुण्डे और उनके भाई सुरेश कुण्डे ने 80 के दशक में फुटबॉल खेलना शुरू किया था।

23 साल पहले नेशनल गेम्स में खेलना शुरू किया - अनिल सिंह ने कहा- उस समय इस ग्राउंड में शाम के 6 बजे के बाद कोई आना पसंद नहीं करता था। ये शराबियों का अड्डा हुआ करता था। गांव तक पहुंचने के लिए सड़कें-लाइट कुछ नहीं था। कुण्डे भाइयों ने युवाओं को फुटबॉल से जोड़ा। सुरेश कुण्डे से लेकर हमारी पीढ़ी तक के खिलाड़ी स्टेट और नेशनल गेम्स के बारे में नहीं जानते थे। हम लोग स्थानीय स्तर पर टूर्नामेंट आयोजित करते थे। एक बार विचारपुर की टीम का मैच दूसरी तहसील में हुआ। वहां के पीटी टीचर रईस अहमद ने देखा कि टीम में सीनियर खिलाड़ियों के साथ छोटे बच्चे भी खेल रहे हैं। उन्होंने बच्चों पर ध्यान दिया। उन्हें ट्रेनिंग दी। इसके बाद उन्होंने बच्चों को स्कूलों से जोड़कर स्टेट और नेशनल गेम्स खिलाए। हमारे गांव के खिलाड़ियों ने पहली बार साल 2002 में पहला नेशनल गेम खेला था। आज हालात ये हैं कि बच्चों के अंदर फुटबॉल को लेकर जुनून है।

मां बोली- खुश हैं कि बेटा विदेश जाएगा - वीरेंद्र का घर विचारपुर के खेल मैदान से करीब 300 मीटर दूर जंगल में है। मीडिया से मां सुनीता बाई ने कहा- गांव के लड़के फुटबॉल खेलते थे, तो मेरा बेटा भी उनके साथ जाकर खेलने लगा। हम भी उसे भेज देते थे।

युवराज सिंह से ईडी ने 7 घंटे पूछताछ की

सट्टेबाजी एप प्रमोशन केस में पूछे सवाल; बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद को भी समन

जालंधर (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह मंगलवार दोपहर 12.15 बजे दिल्ली के ईडी ऑफिस पहुंचे। यहां अधिकारियों ने शाम साढ़े 7 बजे तक उनसे ऑनलाइन बेटिंग एप के प्रमोशन मामले में पूछताछ की। कुछ दिन पहले युवराज सिंह को जांच एजेंसी ने दिल्ली स्थित दफ्तर में पेश होने के लिए समन भेजा था। युवराज सिंह के अलावा एक्ट्रेस अन्वेशी जैन से भी पूछताछ की गई। युवराज सिंह से पहले ईडी शिखर धवन, रॉबिन उथप्पा, सुरेश रैना और हरभजन सिंह से पहले ही पूछताछ कर चुकी है। बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद को भी 24 सितंबर को पेश होने का समन भेजा गया है।

बांसवाड़ा में पीएम मोदी का संबोधन: बिजली और विकास पर जोर

-कांग्रेस सरकारों पर पीएम मोदी का हमला

बांसवाड़ा। राजस्थान के नापला मैदान में गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। अपने भाषण की शुरुआत उन्होंने स्थानीय संस्कृति और परंपरा को नमन करते हुए की। मोदी ने कहा कि माही का पानी आदिवासी भाई-बहनों के संघर्ष और जीवटता का प्रतीक है। उन्होंने मां त्रिपुरा सुंदरी, मां माही, महाराणा प्रताप और भील समाज को भी प्रणाम करते हुए अपनी बात आगे बढ़ाई।

कांग्रेस पर सीधा हमला

पीएम मोदी ने कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकारों पर सीधा प्रहार करते हुए कहा कि कांग्रेस के समय बिजली जाना नहीं, बल्कि आना खबर बनती थी। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकारों ने बिजली की बुनियादी जरूरत पर ध्यान ही नहीं दिया। नतीजा यह रहा कि वर्षों तक देश के लाखों घर अंधेरे में डूबे रहे। मोदी ने कहा कि जब उन्होंने 2014 में देश की बागडोर संभाली, तब तक देश के लगभग ढाई करोड़ घर ऐसे थे, जिन तक बिजली नहीं पहुंची थी। यह स्थिति साफ दिखाती थी कि पिछली सरकारों की प्राथमिकताओं में गरीब और ग्रामीण जनता की बुनियादी ज़रूरतें शामिल नहीं थीं।

"बिजली है तो उजाला है"

प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में बिजली के महत्व को विस्तार से समझाते हुए कहा— "विकास की गाड़ी बिजली से दौड़ती है।" "बिजली है तो उजाला है।" "बिजली है तो दूरियां मिटती हैं।" "बिजली है तो पूरी दुनिया हमारी मुट्ठी में है।" उन्होंने कहा कि बिजली केवल घरों में रोशनी ही नहीं लाती, बल्कि यह आधुनिक शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, उद्योग-धंधे, आईटी और संचार तंत्र की रीढ़ भी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यदि गांव-गांव और घर-घर बिजली पहुंचेगी, तभी देश वास्तव में 21वीं सदी की प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ पाएगा।

आदिवासी समाज का योगदान

मोदी ने कहा कि राजस्थान की यह धरती साधना, शौर्य और संघर्ष की धरती है। भील समाज और अन्य आदिवासी समुदायों ने कठिन परिस्थितियों में जीवन जीते हुए देश की अस्मिता को बचाने में योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि माही का पानी जिस तरह से यहां की जनता को जीवन देता है, उसी तरह आदिवासी समाज भी देश की ऊर्जा और संस्कृति को मजबूती देता है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि उनकी सरकार आदिवासी समाज को शिक्षा, रोजगार और विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। विशेषकर आदिवासी अंचलों में बिजली, पानी और सड़क जैसी सुविधाओं को प्राथमिकता दी जा रही है।

विकास और आत्मनिर्भरता का मंत्र

पीएम मोदी ने जनता से कहा कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने का रास्ता बिजली और ऊर्जा से होकर गुजरता है। यदि गांव-गांव तक बिजली पहुंचेगी तो कृषि में आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल संभव होगा। उद्योगों में उत्पादन बढ़ेगा और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने सौभाग्य योजना और अन्य योजनाओं के जरिए हर घर को रोशनी देने का काम किया है। आज स्थिति यह है कि देश का कोई भी घर बिजली से वंचित नहीं है। यह उपलब्धि केवल एक वादा नहीं, बल्कि करोड़ों परिवारों की जिंदगी बदलने वाला कदम है।

भविष्य की राह

मोदी ने कहा कि अब लक्ष्य केवल बिजली पहुंचाना नहीं, बल्कि हर घर को गुणवत्तापूर्ण और निर्बाध बिजली आपूर्ति देना है। इसके लिए नवीकरणीय ऊर्जा पर विशेष जोर दिया जा रहा है। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और हाइड्रो पावर जैसे विकल्पों पर तेजी से काम हो रहा है। उन्होंने बताया कि आने वाले वर्षों में भारत न केवल अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करेगा, बल्कि दुनिया को भी हरित ऊर्जा के क्षेत्र में नेतृत्व देगा।

जनता से संवाद

भाषण के दौरान मोदी ने कहा कि "आज मैं बांसवाड़ा की जनता को यह भरोसा दिलाने आया हूं कि जिस रोशनी के लिए आपने दशकों तक संघर्ष किया, वह अब स्थायी रूप से आपके घरों और जीवन का हिस्सा बनेगी।" उन्होंने आदिवासी समाज को विकास की धारा में लाने की प्रतिबद्धता दोहराई और कहा कि उनकी सरकार हर क्षेत्र में संतुलित विकास के लिए कार्य कर रही है। बांसवाड़ा की इस सभा में प्रधानमंत्री मोदी का पूरा ध्यान बिजली और विकास पर केंद्रित रहा। उन्होंने कांग्रेस सरकारों की नीतियों की आलोचना करते हुए यह संदेश दिया कि उनकी सरकार ने जो काम किया है, उसका असर हर घर में महसूस किया जा सकता है।

बिहार चुनाव से वोटों की गिनती का नया सिस्टम

-पोस्टल बैलेट पूरी गिनती तक EVM काउंटिंग नहीं होगी

नई दिल्ली। भारत का लोकतंत्र दुनिया में सबसे बड़ा और सबसे जीवंत लोकतंत्र माना जाता है। यहां हर चुनाव सिर्फ राजनीति का हिस्सा नहीं होता बल्कि जनता की इच्छा, भरोसा और लोकतांत्रिक व्यवस्था की ताक़त को दर्शाता है। चुनाव की प्रक्रिया में सबसे अहम चरण होता है मतगणना (काउंटिंग), क्योंकि इसी से तय होता है कि किसकी सरकार बनेगी और किसे विपक्ष में बैठना होगा। हाल ही में चुनाव आयोग (Election Commission of India) ने वोटों की गिनती के नियमों में बदलाव किया है। यह बदलाव सबसे पहले बिहार विधानसभा चुनाव से लागू होगा। नए नियम का मुख्य उद्देश्य है – मतगणना में पारदर्शिता और भरोसा बनाए रखना।

पहले व्यवस्था कैसी थी?

अब तक होता यह था कि गिनती के दिन सबसे पहले पोस्टल बैलेट (Postal Ballot) यानी डाक मतपत्रों की गिनती सुबह 8 बजे शुरू होती थी। इसके आधे घंटे बाद यानी 8:30 बजे से EVM (Electronic Voting Machine) से गिने गए वोटों की काउंटिंग शुरू हो जाती थी। कई बार ऐसा होता कि EVM की गिनती जल्दी पूरी हो जाती थी, क्योंकि उसमें बड़े पैमाने पर वोटों को मशीन से निकालकर गिना जाता है। दूसरी ओर पोस्टल बैलेट की गिनती धीमी होती थी। नतीजा यह होता कि EVM की अंतिम राउंड तक गिनती पूरी हो जाती, लेकिन पोस्टल बैलेट की गिनती अधूरी रह जाती। इससे विवाद की स्थिति बन जाती थी। विपक्षी दल कई बार आरोप लगाते थे कि पोस्टल बैलेट को ठीक से गिनने में ढिलाई की गई या उन्हें दरकिनार कर दिया गया।

नई व्यवस्था क्या कहती है?

चुनाव आयोग ने इस समस्या को दूर करने के लिए नया नियम लागू किया है। अब से होगा यह कि – पोस्टल बैलेट की गिनती पूरी होने तक EVM की अंतिम गिनती नहीं होगी। अगर पोस्टल बैलेट गिनने में देरी होती है, तो EVM काउंटिंग को अंतिम राउंड से पहले ही रोक दिया जाएगा। मान लीजिए किसी सीट पर कुल 5 राउंड EVM से गिनती होनी है, तो चौथे राउंड पर रोक लगा दी जाएगी। जब तक सभी पोस्टल बैलेट गिन न लिए जाएं, EVM का अंतिम यानी पांचवां राउंड शुरू नहीं होगा। अगर पोस्टल बैलेट ज्यादा हों, तो उनकी गिनती के लिए अतिरिक्त टेबल लगाई जाएंगी, ताकि प्रक्रिया तेजी से पूरी हो सके।

उदाहरण से समझिए

मान लीजिए किसी विधानसभा क्षेत्र में EVM से कुल 10 हजार वोट पड़े हैं। इन्हें 5 राउंड में आराम से गिना जा सकता है। साथ ही उस क्षेत्र में 1 हजार पोस्टल बैलेट भी आए हैं। पोस्टल बैलेट की गिनती धीरे-धीरे चल रही है और चौथे राउंड तक पहुंचते-पहुंचते भी वे पूरे नहीं हो पाए। ऐसे में चुनाव आयोग के नए नियम के मुताबिक, EVM की गिनती चौथे राउंड पर रोक दी जाएगी। जब तक सभी 1 हजार पोस्टल बैलेट गिन नहीं लिए जाते, EVM का पांचवां और अंतिम राउंड शुरू नहीं होगा। इससे सुनिश्चित होगा कि किसी भी उम्मीदवार की जीत या हार का ऐलान, पोस्टल बैलेट को गिने बिना नहीं होगा।

पोस्टल बैलेट क्यों अहम हैं?

बहुत से लोग सोचते हैं कि पोस्टल बैलेट का असर इतना बड़ा क्यों है। इसकी वजह यह है कि: पोस्टल बैलेट से वोट डालते हैं:

सेना और अर्धसैनिक बलों के जवान

सरकारी अधिकारी जो चुनावी ड्यूटी पर होते हैं

वरिष्ठ नागरिक और दिव्यांग मतदाता (कुछ मामलों में)

ये वोट संख्या में कम होते हैं, लेकिन कई बार बहुमत का अंतर बहुत कम होने पर ये निर्णायक साबित होते हैं। मान लीजिए किसी सीट पर दो उम्मीदवारों के बीच अंतर सिर्फ 500 वोटों का है और पोस्टल बैलेट 1,000 हैं, तो तय मानिए कि नतीजा इन्हीं पर निर्भर करेगा।

बदलाव की ज़रूरत क्यों पड़ी?

चुनाव आयोग के सामने कई बार यह शिकायतें आती रही हैं कि पोस्टल बैलेट की गिनती को गंभीरता से नहीं लिया जाता। कई जगह EVM के नतीजे घोषित कर दिए जाते थे, जबकि पोस्टल बैलेट बाकी रहते थे। इससे चुनाव की पारदर्शिता पर सवाल खड़े होते थे। उम्मीदवारों और राजनीतिक दलों में असंतोष फैलता था। अब नए नियम से यह आशंका खत्म हो जाएगी, क्योंकि अंतिम नतीजा तब तक नहीं निकलेगा जब तक पोस्टल बैलेट पूरी तरह गिने न जाएं।

बिहार चुनाव से क्यों शुरुआत?

बिहार को चुनाव आयोग ने इस बदलाव की शुरुआत के लिए चुना है। इसकी दो प्रमुख वजहें हैं: बिहार का चुनाव हमेशा से संवेदनशील और हाई प्रोफाइल रहा है। यहां राजनीतिक दलों के बीच कड़ा मुकाबला होता है। छोटे-छोटे अंतर से जीत-हार तय होती है।

भाजपा ने तीन राज्यों के लिए चुनाव प्रभारी नियुक्त किए

-बिहार: धर्मेंद्र प्रधान को सौंपी गई कमान

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 2025 और 2026 के विधानसभा चुनावों की तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी ने गुरुवार को तीन बड़े राज्यों बिहार, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के लिए चुनाव प्रभारी और सह-प्रभारी नियुक्त किए। यह नियुक्तियां भाजपा की चुनावी रणनीति को और मज़बूत करने के संकेत मानी जा रही हैं।

बिहार में धर्मेंद्र प्रधान को बड़ी जिम्मेदारी

बिहार में इस साल अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। यहाँ वर्तमान में नीतीश कुमार की जदयू और भाजपा गठबंधन की सरकार है। बिहार की राजनीति हमेशा से राष्ट्रीय स्तर पर खास अहमियत रखती है, इसलिए भाजपा ने इस राज्य के लिए एक वरिष्ठ और अनुभवशील नेता को चुनाव प्रभारी बनाया है। धर्मेंद्र प्रधान, जो वर्तमान में केंद्रीय शिक्षा मंत्री हैं, को बिहार का चुनाव प्रभारी नियुक्त किया गया है। उनके साथ सह प्रभारी के रूप में उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल को जिम्मेदारी दी गई है। भाजपा का मकसद है कि नीतीश कुमार की जदयू के साथ गठबंधन को मजबूत बनाए रखते हुए बिहार में सत्ता की बागडोर बरकरार रखी जाए। हालांकि, महागठबंधन की राजनीति और जातीय समीकरणों के बीच भाजपा को कड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। धर्मेंद्र प्रधान संगठनात्मक कौशल और चुनावी प्रबंधन के लिए जाने जाते हैं, जो बिहार जैसे जटिल राज्य में भाजपा के लिए अहम साबित हो सकते हैं।

पश्चिम बंगाल में भूपेंद्र यादव की तैनाती

पश्चिम बंगाल में 2026 में मार्च से मई के बीच विधानसभा चुनाव होंगे। बंगाल की राजनीति ममता बनर्जी और उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (TMC) के इर्द-गिर्द घूमती है। 2021 के चुनाव में भाजपा ने जोरदार प्रदर्शन किया था और विधानसभा में बड़ी विपक्षी पार्टी बनकर उभरी थी, लेकिन सत्ता से दूर रह गई। इस बार भाजपा ने बंगाल की कमान केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव को सौंपी है। भूपेंद्र यादव को चुनाव प्रभारी बनाया गया है। उनके सह प्रभारी होंगे त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब। भाजपा की रणनीति साफ है कि भूपेंद्र यादव जैसे संगठन के मजबूत चेहरे और पूर्वोत्तर में अनुभव रखने वाले बिप्लब देब को जोड़कर राज्य में मजबूत विपक्षी स्थिति को सत्ता में बदलने की कोशिश की जाएगी। बंगाल में भाजपा का वोट बैंक लगातार बढ़ रहा है, लेकिन ममता बनर्जी की लोकप्रियता और संगठनात्मक पकड़ अभी भी बेहद मजबूत है।

तमिलनाडु में बैजयंत पांडा की जिम्मेदारी

दक्षिण भारत में भाजपा की सबसे बड़ी चुनौती तमिलनाडु है। यह राज्य हमेशा से द्रविड़ दलों – डीएमके (DMK) और एआईएडीएमके (AIADMK) – का गढ़ रहा है। वर्तमान में तमिलनाडु में डीएमके सत्ता में है और मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन राज्य की राजनीति का बड़ा चेहरा हैं।

ट्रम्प का UN महासभा विवाद: तीन साजिशों का दावा

-जांच में अमेरिकी सीक्रेट सर्विस भी शामिल होगी

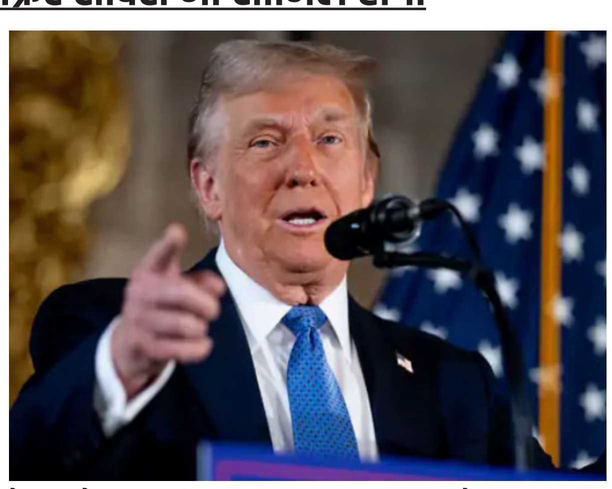

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) में मंगलवार को हुई अपनी उपस्थिति को लेकर बड़ी चिंता जताई है। उन्होंने दावा किया है कि इस दौरान उनके साथ तीन महत्वपूर्ण और गंभीर घटनाएं हुईं, जिन्हें उन्होंने 'साजिश' करार दिया है। इस घटनाओं का जिक्र करते हुए ट्रम्प ने कहा कि यह केवल सामान्य तकनीकी खामी नहीं थी, बल्कि किसी ने उन्हें नुकसान पहुँचाने या उन्हें अपमानित करने की कोशिश की थी। ट्रम्प ने अपनी शिकायतें सीधे संयुक्त राष्ट्र महासचिव को भेजे पत्र के माध्यम से की हैं। पत्र में उन्होंने तत्काल जांच की मांग की है और कहा है कि अमेरिकी सीक्रेट सर्विस इस मामले में शामिल होगी। उनका यह बयान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बन गया है और यह सवाल खड़ा करता है कि क्या वैश्विक मंच पर भी नेताओं के खिलाफ किसी तरह की व्यवस्थित साजिश संभव है। ट्रम्प के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र में हुई तीन प्रमुख घटनाएं इस प्रकार हैं: सबसे पहले, उनके द्वारा उपयोग किए जाने वाले एस्केलेटर का अचानक रुक जाना; दूसरे, टेलीप्रॉम्प्टर का खराब होना; और तीसरे, असेंबली हॉल के साउंड सिस्टम में तकनीकी गड़बड़ी। इन तीनों घटनाओं का संयोजन बेहद असामान्य और संदिग्ध प्रतीत होता है। ट्रम्प ने कहा कि इस तरह की तकनीकी खामियां सामान्यतः बार-बार नहीं होतीं, खासकर जब वह विश्व के सबसे सुरक्षित और प्रतिष्ठित मंच पर भाषण देने पहुंचे हों।

एस्केलेटर घटना

ट्रम्प के अनुसार, वह संयुक्त राष्ट्र भवन में अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार चलते हुए अचानक एस्केलेटर पर फंस गए। यह घटना बहुत ही असामान्य थी क्योंकि एस्केलेटर सामान्यतः सुरक्षा मानकों के अनुरूप संचालित होता है। उन्होंने यह भी कहा कि इस एस्केलेटर में लगे सभी सुरक्षा कैमरों और इमरजेंसी स्टॉप बटन की रिकॉर्डिंग तुरंत सुरक्षित की जाए। उनका कहना था कि यह रिकॉर्डिंग जांच में मददगार साबित होगी और पता चलेगा कि क्या वास्तव में कोई शख्स जानबूझकर इसे रोकने का प्रयास कर रहा था।

टेलीप्रॉम्प्टर खराब होना

दूसरी घटना उनके भाषण के दौरान हुई। ट्रम्प ने बताया कि उनका टेलीप्रॉम्प्टर अचानक काम करना बंद कर दिया, जिससे उन्हें भाषण में कठिनाई का सामना करना पड़ा। ट्रम्प ने इसे गंभीर मामला बताया और कहा कि ऐसी तकनीकी विफलता महज संयोग नहीं लगती, खासकर जब यह मंच पूरी दुनिया के नेताओं और मीडिया की नजरों के सामने होता है। उन्होंने कहा कि इस घटना के कारण उनका भाषण बाधित हुआ और उन्हें अपने संदेश को सही तरीके से पहुँचाने में दिक्कत हुई।

साउंड सिस्टम की गड़बड़ी

तीसरी घटना असेंबली हॉल के साउंड सिस्टम में हुई। ट्रम्प ने कहा कि उनका भाषण शुरू होने के तुरंत बाद ही साउंड सिस्टम में गंभीर गड़बड़ी आ गई, जिससे उनकी आवाज़ हॉल में ठीक से नहीं पहुँच रही थी। उनका दावा है कि यह केवल तकनीकी खराबी नहीं थी, बल्कि जानबूझकर की गई गड़बड़ी थी। ट्रम्प ने कहा कि इस गड़बड़ी ने उन्हें वैश्विक मंच पर असहज स्थिति में डाल दिया और यह एक बड़ा अंतरराष्ट्रीय मुद्दा बन सकता है।

जांच की मांग

इन घटनाओं को गंभीर मानते हुए ट्रम्प ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव को पत्र लिखकर तत्काल जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि यह जांच पूरी पारदर्शिता के साथ होनी चाहिए और इसमें सभी संबंधित सुरक्षा रिकॉर्ड और तकनीकी डेटा का विश्लेषण किया जाना चाहिए। ट्रम्प ने विशेष रूप से अमेरिकी सीक्रेट सर्विस को इस जांच में शामिल करने की बात कही, ताकि उनकी सुरक्षा और विश्वसनीयता सुनिश्चित की जा सके।

ट्रम्प ने अपने पत्र में लिखा है कि एस्केलेटर, टेलीप्रॉम्प्टर और साउंड सिस्टम की रिकॉर्डिंग इस मामले में निर्णायक भूमिका निभा सकती है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ उनका व्यक्तिगत मामला नहीं है, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय मंच पर नेताओं की सुरक्षा और सम्मान से जुड़ा मुद्दा है।

अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया

ट्रम्प के इस बयान के बाद संयुक्त राष्ट्र और अमेरिकी राजनीतिक गलियारे में हलचल मच गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह मामला न केवल तकनीकी सुरक्षा की जांच का विषय है, बल्कि इसमें राजनीतिक और कूटनीतिक आयाम भी जुड़े हुए हैं। यदि जांच में यह पाया जाता है कि यह घटनाएं वास्तव में साजिश के तहत की गई थीं, तो इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

यूनुस का आरोप: भारत बांग्लादेश में फैला रहा फेक न्यूज

-हसीना की गतिविधियां बढ़ा रही तनाव

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। गुरुवार को न्यूयॉर्क में बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने भारत और बांग्लादेश के बीच मौजूदा तनाव को लेकर गंभीर टिप्पणियां कीं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में दोनों देशों के बीच समस्याएं बढ़ रही हैं और इसका कारण कुछ विशेष घटनाओं और मीडिया प्रचार में देखा जा सकता है। यूनुस ने भारत पर बांग्लादेश के खिलाफ फेक न्यूज फैलाने का आरोप लगाया और अपने बयान में इसे गंभीर मुद्दा बताया। यूनुस ने कहा, "अभी भारत और बांग्लादेश के बीच समस्याएं हैं, क्योंकि उन्हें हमारे छात्रों का काम पसंद नहीं आया। इसके अलावा, भारत पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को भी मेजबानी दे रहा है, जो हमारे देश में कई समस्याओं की वजह बनी हैं।" उनके अनुसार, हसीना की गतिविधियों ने बांग्लादेश में युवाओं के बीच असंतोष पैदा किया और भारत-बांग्लादेश संबंधों में तनाव की स्थिति खड़ी कर दी। यूनुस ने स्पष्ट रूप से कहा कि हसीना कई युवाओं की हत्या की जिम्मेदार रही हैं। उनका कहना था कि यही वजह है कि दोनों देशों के बीच अब तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हुई है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि भारत और बांग्लादेश के संबंध अगस्त 2024 से धीरे-धीरे खराब होने लगे थे, खासकर तब से जब हसीना भारत आईं और इस्तीफा दे दिया। उनका यह बयान राजनीतिक और सामाजिक दोनों दृष्टियों से काफी संवेदनशील माना जा रहा है। यूनुस ने बांग्लादेश के भीतर हुई विरोध प्रदर्शनों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि नौकरी कोटे में भेदभाव के कारण छात्रों ने प्रदर्शन किया। इन प्रदर्शनाओं का परिणाम यह हुआ कि बांग्लादेश में तख्तापलट जैसी स्थिति भी सामने आ गई। यूनुस का मानना है कि भारत की भूमिका इस मामले में उपयुक्त नहीं रही, क्योंकि उन्होंने बांग्लादेश में हो रही घटनाओं को लेकर फेक न्यूज फैलाकर स्थिति को और बिगाड़ा। भारत और बांग्लादेश के संबंध सामान्यतः ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आर्थिक दृष्टि से मजबूत रहे हैं। दोनों देशों के बीच व्यापार, शिक्षा, और ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग रहा है। लेकिन हाल के वर्षों में राजनीतिक असंतोष, सीमा विवाद और आपसी आरोप-प्रत्यारोप ने रिश्तों को तनावपूर्ण बना दिया है। यूनुस ने अपने बयान में यह भी संकेत दिया कि यदि स्थिति को सही ढंग से संभाला नहीं गया, तो यह तनाव भविष्य में और बढ़ सकता है। यूनुस ने मीडिया के माध्यम से फेक न्यूज फैलाने की बात पर जोर देते हुए कहा कि बांग्लादेश की वास्तविक स्थिति को भारत में गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। उनका मानना है कि मीडिया और सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहें दोनों देशों के बीच अविश्वास पैदा कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह की खबरों के कारण आम जनता के बीच भ्रम फैल रहा है और देशों के बीच स्थायी दोस्ती पर खतरा उत्पन्न हो रहा है। इसके साथ ही यूनुस ने शेख हसीना के भारत आगमन और उनके इस्तीफे का मुद्दा भी उठाया। उनका कहना था कि हसीना की भारत यात्रा और इस्तीफा बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता को बढ़ावा देने वाली घटनाओं में से एक थी। इसके चलते युवाओं में नाराजगी पैदा हुई और विरोध प्रदर्शन शुरू हुए। यूनुस ने इस स्थिति को गंभीर मानते हुए कहा कि अगर ऐसे मुद्दों को सुलझाने के लिए तत्काल कदम नहीं उठाए गए, तो दोनों देशों के बीच संबंध और खराब हो सकते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यूनुस के बयान के बाद भारत-बांग्लादेश संबंधों में कूटनीतिक स्तर पर कुछ बदलाव की संभावना बढ़ गई है। उन्हें लगता है कि दोनों देशों को इस स्थिति को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने के लिए बातचीत और आपसी समझ की आवश्यकता है। जबकि भारत ने अभी तक यूनुस के आरोपों पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है, लेकिन यह स्पष्ट है कि आने वाले समय में दोनों देशों के बीच कूटनीतिक गतिविधियां तेज होंगी।

अमेरिका ने भारत से कहा- रूस से तेल आयात पर दोबारा विचार करें

-यूक्रेन युद्ध जल्द खत्म कराना मकसद

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका ने भारत से अपील की है कि वह रूस से कच्चे तेल का आयात करने पर पुनः विचार करे। अमेरिकी ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट ने यह स्पष्ट किया कि अमेरिका का उद्देश्य भारत को किसी प्रकार की सजा देना नहीं है, बल्कि वह चाहता है कि भारत उनके साथ मिलकर रूस पर दबाव बनाने में सहयोग करे ताकि यूक्रेन में जारी युद्ध को जल्द से जल्द समाप्त किया जा सके। राइट के अनुसार, अमेरिका की यह कोशिश पूरी तरह से इस दिशा में है कि वैश्विक शांति और ऊर्जा सुरक्षा बनी रहे और इसके लिए भारत जैसे अहम सहयोगी की भूमिका महत्वपूर्ण है। क्रिस राइट ने कहा कि उन्होंने हाल ही में भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात की है और दोनों देशों के बीच ऊर्जा और व्यापार सहयोग के भविष्य पर बातचीत शुरू की है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प भी चाहते हैं कि यूक्रेन संकट जल्द समाप्त हो और इसके लिए सभी अंतरराष्ट्रीय साझेदार एकजुट होकर काम करें। राइट ने यह दोहराया कि अमेरिका भारत के साथ दीर्घकालिक और स्थायी संबंध बनाने के इच्छुक है, लेकिन वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में रूस के खिलाफ दबाव बढ़ाने की दिशा में संयुक्त प्रयासों की आवश्यकता है। भारत और अमेरिका के बीच ऊर्जा सहयोग पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ा है। अमेरिकी ऊर्जा मंत्री ने कहा कि इस सहयोग का भविष्य बहुत उज्ज्वल है, और दोनों देशों को मिलकर ऐसा तरीका खोजना होगा जिससे वैश्विक ऊर्जा बाजार पर संतुलन बना रहे और रूस पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़े। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका भारत को मजबूर नहीं करना चाहता, बल्कि एक रणनीतिक साझेदारी के तौर पर सहयोग चाहता है। यह अपील इसी भावना का हिस्सा है। क्रिस राइट ने उल्लेख किया कि रूस से तेल खरीदना भारत के ऊर्जा सुरक्षा दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण हो सकता है, लेकिन वैश्विक स्तर पर यह एक संवेदनशील मुद्दा बन चुका है। उन्होंने कहा कि भारत की भूमिका बेहद अहम है क्योंकि विश्व में तेल की खपत और आपूर्ति में भारत एक बड़ा खिलाड़ी है। इसलिए अमेरिका चाहता है कि भारत रूस से तेल आयात को लेकर अपने निर्णय पर दोबारा विचार करे और इस दिशा में अमेरिका के साथ सहयोग करे। उन्होंने यह भी कहा कि यूक्रेन युद्ध की समाप्ति के लिए न केवल आर्थिक दबाव, बल्कि कूटनीतिक पहल भी जरूरी हैं। अमेरिका और भारत दोनों को मिलकर ऐसे कदम उठाने होंगे जो रूस पर असर डालें और युद्ध के तत्काल अंत को सुनिश्चित करें। राइट ने इस अवसर पर यह भी रेखांकित किया कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक और ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग को और मजबूत करने की बहुत संभावनाएँ हैं।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,